



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग III—खण्ड IV

PART III—Section IV

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 131]

नई दिल्ली, बुधवार, जून 26, 2002/आषाढ़ 5, 1924

No. 131]

NEW DELHI, WEDNESDAY, JUNE 26, 2002/ASADHA 5, 1924

दी इंस्टीट्यूट ऑफ कॉर्स्ट एण्ड वर्कर्स एकाउन्टेंट्स ओफ इंडिया
अधिसूचना

कोलकाता, 26 जून, 2002

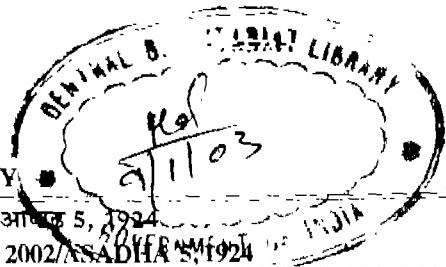
फा. सं. जी/18-सी डब्ल्यू ए आई/2000/सं. सीडब्ल्यूआर
(1) 2002.—चूंकि कॉर्स्ट एण्ड वर्कर्स एकाउन्टेंट्स रेगुलेशन, 1959 में
आगे और संशोधन करने के लिए कॉर्स्ट एण्ड वर्कर्स एकाउन्टेंट्स एक्ट, 1959
(1959 का 23) की धारा 39 की उप-धारा (3) द्वारा यथा अधिकारी रेगुलेशन
का मसीदा दिनांक 7 फरवरी, 2002 को भारत के राजपत्र, भाग IJI, खण्ड 4
में इंस्टीट्यूट ऑफ कॉर्स्ट एण्ड वर्कर्स एकाउन्टेंट्स ओफ इंडिया, की अधिसूचना
में द्वारा सी डब्ल्यूआर (1), 2002 के द्वारा प्रकाशित किए गए थे जिनमें इसमें
प्रभावित होने की संभावना वाले सभी व्यक्तियों में भागत के राजपत्र में यथा
प्रकाशित उक्त आदेश की प्रतियां जनता को उपलब्ध कराएँ। जाने की तारीख
के 45 दिनों की समाप्ति से पूर्व आमंत्रित किए गए थे;

और चूंकि उक्त राजपत्र की प्रतियां 11 फरवरी, 2002 को जनता
को उपलब्ध करा दी गई थीं;

और चूंकि प्राप्त आपत्तियों एवं सुझावों पर परिपद द्वारा विचार कर
लिया गया है;

इसलिए, अब कॉर्स्ट एण्ड वर्कर्स एकाउन्टेंट्स एक्ट, 1959 (1959
का 23) की धारा 39 की उप-धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग
करते हुए परिषद् केन्द्र सरकार के अनुमोदन से कॉर्स्ट एण्ड वर्कर्स
एकाउन्टेंट्स रेगुलेशन, 1959 में आगे और संशोधन करने के लिए एतद्वारा
निम्नलिखित रेगुलेशन बनाती है, अर्थात् :—

1. (i) इन विनियमों को कॉर्स्ट एण्ड वर्कर्स एकाउन्टेंट्स (संशोधन)
अधिनियम, 2002 कहा जाएगा।
(ii) ये सरकारी राजपत्र में इनके अंतिम प्रकाशन की तारीख
को प्रभावी होंगे।
2. कॉर्स्ट एण्ड वर्कर्स एकाउन्टेंट्स अधिनियम, 1959 में
(i) विनियम 20क में उपखण्ड (ख) के बाद
निम्नलिखित प्रतिस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—
“(ग) उस महीने के कम से कम छ: माह पूर्व फाउन्डेशन
प्राठयक्रम के डाक अथवा मौखिक द्वृशन हेतु को पंजीकृत
कर लिया है जिस महीने में परीक्षा आंंध छोगी, कहने
का नात्पर्य है कि ऐसी परीक्षा दिमाक्कर में (कलैंडर वर्ष



के 15 के बाद) आंध छोगी है तो उस कलैंडर वर्ष के
15 जून तक डाक अथवा मौखिक कोचिंग हेतु पंजीकृत
अध्यर्थी प्राप्त होगा और वह उस कोचिंग प्रशासन के
अध्ययन निदेशक अथवा अध्यक्ष (चाहे उसका कुछ भी
पदनाम हो) से इस आशय का एक प्रमाण-पत्र प्रस्तुत
करेगा कि उसने फाउन्डेशन प्राठयक्रम परीक्षा हेतु डाक
अथवा मौखिक द्वृशन प्राठयक्रम मतोपजनक ढंग से
पूरा कर लिया है । ”

(ii) विनियम 20 ख के स्थान पर निम्नलिखित प्रतिस्थापित किया
जाएगा, अर्थात् :—

“ 20 ख फाउन्डेशन प्राठयक्रम परीक्षा के निपाश्लक, प्रश्न-पत्र
और प्राठयक्रम—किसी भी अध्यर्थी को फाउन्डेशन प्राठयक्रम
परीक्षा में तब तक प्रवेश नहीं मिलेगा जब तक कि वह परीक्षा
द्वारा समय-समय पर यथा निर्धारित शुल्क लेकिन एक हजार
रुपये से अनधिक के माथ निर्धारित प्रपत्र में आवेदन नहीं करता”
अन्यथा वह परीक्षा के लिए प्राप्त होगा और तभी निर्मित
विषयों में उसकी परीक्षा नीं जाएगी। ”

आधार प्राठयक्रम

प्रश्न-पत्र-1 : संगठन और प्रबंध धन मिठांत (३० अंक) प्रश्न-पत्र: 3 घण्टे :

खण्ड 1 : संगठन (30 अंक)

(i) संगठन के प्रचलनात्मक क्षेत्र : विभिन्न संगठनात्मक संरचना,
व्यापार के प्रमुख प्रचलनात्मक क्षेत्रों के कार्य, विभिन्न कार्यों की
स्पष्टेखा एवं कार्यकलाप, औपचारिक और अनौपचारिक
संगठन—संगठन के मिठांत और कार्यकलापों को एकबद्ध करने
का मापदण्ड।

स्कूल ऑफ आर्मेनाइनेशन ध्योरी: गाम्ब्रीय, व्यवहारिक एवं
प्रणाली, मौजूदा प्रवृत्ति और दृष्टिकोण, संगठन में आचरण,
व्यवहारिक विज्ञान की भूमिका।

संगठनात्मक प्रबंधन : उद्देश्य (प्रश्न और लक्ष्य), उद्देश्यों के
बीच द्वंद समूच्चित कार्ययोजना का निर्माण, संस्कृति के निर्धारक-
संस्कृति का श्रेणीकरण करने हेतु उपलब्ध विभिन्न नमूने, सदृश्य
उक्त्य प्राप्त करने के लिए उपलब्ध संगठनात्मक प्रवंधन के
विभिन्न भूमूले।

खण्ड II : प्रबंधन (70 अंक)

- (i) मानव संसाधन प्रबंधन - मानव संसाधन योजना, भर्ती, निष्कासन, सेवानिवृति और अधिकार से संबंधित मानव मुद्दे। मानव व्यवहार और उल्लेख के नमूने और उभका उपयोग (अर्थात् टेस्टर, एम सी ब्रेगर, मास्लो, हाटर्ज बर्ग, इत्यादि), पुरस्कार प्रणाली का प्रशिक्षण विकास एवं उद्देश्य।
- (ii) संघ प्रबंधन - योजना समेत प्रबंधन की प्रक्रिया, संगठित करना, स्टॉफ की नियुक्ति, निर्देशन, प्रोत्साहन, प्रशाचार एवं नियंत्रण, अधिकार प्राधिकार उत्तराधिकार एवं प्रतिनिधिमण्डल की अवधारणा, नेताओं और प्रबंधकों की विशेषजाए, प्रबंधन शैली सिद्धांत, आकस्मिक दृष्टिकोण।
- सामूहिक विकास, व्यवहार और भूमिका के सिद्धांत। संगठनों में विशेष के खोल और वे तौस-तरीके जिनके द्वारा विशेष पर काढ़ा पाया जा सकता है।
- (iii) परिवर्तन प्रबंधन - परिवर्तन प्रबंधन प्रक्रिया की अवधारणा, संगठनात्मक विकास प्रबंधन दृष्टिकोण और प्रमुख सास्कृतिक एवं संरचनात्मक परिवर्तन, नायुक परिवर्तन अवधि के प्रबंधन का महत्व और वे तौस-तरीके जिनके द्वारा इन नायुक अवधियों का प्रभावी ढंग से प्रबंधन किया जा सकता है।
- (iv) प्रबंधन का नमूना - निवेशक मण्डल की व्यापक नीतियां, कार्य एवं संरचनात्मक ढांचा, सार्वजनिक क्षेत्र, सामाजिक क्षेत्र, सामाजिक उद्देश्यों की अवधारणा, सार्वजनिक क्षेत्र का प्रबंधन। मौजूदा प्रबंधन विचार।

प्रश्न-पत्र 2: वित्तीय लेखा-विधि के मूल सिद्धांत (एक प्रश्न-पत्र: 3 घण्टे : 100 अंक)

- (i) बही खाता एवं लेखा-जोखा रखने के मूल सिद्धांत - परिभाषा एवं इनकी उपयोगिता। वित्तीय लेखा-विधि के सिद्धांत, अवधारणा एवं कन्वेशन - व्यापार आय का लेखा-जोखा। स्थिति संबंधी विवरण। लेखा-विधि के मानक-राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय (मूल ज्ञान)।

बही खाता रखने की प्रणाली - दोहरी प्रविष्टि प्रणाली, प्रमुख प्रविष्टियों की बही, साहायक बहियां, नकद एवं बैंक सीदों को दर्ज करना, लेखा-बही तैयार करना, द्रायल बलेंस तैयार करना - व्याख्या और उपयोगिता।

बैंक समाधान विवरण - नकद बही और बैंक की पास बुक के बीच समाधान की जरूरत और बैंक समाधान विवरण तैयार करने से संबंधित समस्याएं।

लेखा व्यक्तिक (कम्प्यूटरीकरण समेत), बिल विभिन्न, खेप और संयुक्त उद्यम।

- (ii) पूजी, राजस्व एवं आस्थगित राजस्व व्यय, शुरुआती प्रविष्टियां, अंतिम प्रविष्टियां, समायोजन प्रविष्टियां और समाधान प्रविष्टियां, व्यापार विनियोग और लाभ एवं हानि लेखा एवं तुलना-पत्र की अवधारणा। वसुल न होने वाला ऋण और इसके लिए धैन-संग्रह - इसका लेखा-प्रबंध। मूल्य छास - इसका महत्व एवं लेखा-जोखा।
- (iii) लेखा-शास्त्र की दोहरी प्रविष्टि प्रणाली की तुलना में एकल प्रविष्टि की अवधारणा, इनका पारस्परिक संबंध और एकल प्रविष्टि प्रणाली को दोहरी प्रविष्टि प्रणाली में बदलना। प्राप्ति एवं भुगतान लेखा और आय एवं व्यय लेखा तैयार करना। धन-संग्रह एवं इसके प्रावधान का महत्व। विभिन्न संगठनों के लाभ एवं हानि लेखे तथा तुलना-पत्र तैयार करना।
- (iv) साझा लेखे - प्रवेश, निवर्तन, मृत्यु, विघटन।
- (v) संयुक्त स्टॉक कम्पनी लेखे - कम्पनी अधिनियम 1956 (1956 का 1) के प्रावधान के अनुसार संसर्ग से पूर्ण अधिमानी शेयरों एवं डिवेंशरों के इश्यू जारीकरण एवं परिपक्वता और कम्पनी का लाभ एवं हानि लेखा एवं तुलना-पत्र।

प्रश्न-पत्र 3 : अर्थशास्त्र एवं व्यवसाय के मूल सिद्धांत (एक प्रश्न-पत्र: 3 घण्टे : 100 अंक)

- खण्ड 1 - अर्थशास्त्र(60 अंक)
- (i) अर्थशास्त्र के बुनियादी तत्त्व - अर्थशास्त्र की परिभाषा, कार्य क्षेत्र एवं विषय-वस्तु - कुछेक बुनियादी अवधारणाएं जैसे उपयोगिता, धन, उत्पादन, मांग और आपूर्ति, लोकशीलता, संतुलन, भूमि के कारक और धट्टी आमदानी के कानून।
- रोजगार के सिद्धांत - रोजगार के प्रकार, पूर्ण रोजगार की संकल्पनाएं और इसे कैसे प्राप्त किया जा सकता है।
- प्रमिक एवं जनसंख्या के सिद्धांत, पूजी एवं पूजी-वृद्धि की परिभाषा, पूजी सूजन के उपाय।
- बाजार के रूप - पूर्ण प्रतिस्पर्धा और अपूर्ण प्रतिस्पर्धा में मूल्य।
- राष्ट्रीय आय - समग्र राष्ट्रीय उत्पाद, निवल राष्ट्रीय उत्पाद, राष्ट्रीय आय की माप, आर्थिक वृद्धि एवं उत्तर-चक्रव, बचत एवं निवेश।

वितरण - किराया, मजदूरी, ब्याज और लान के प्रबंध में आय निर्धारण और संतुलन।

- (ii) **मुद्रा** - मुद्रा की परिभाषा, मुद्रा का गुणात्मक सिद्धांत, मुद्रास्फीति, धन के उत्पादन एवं वितरण पर मुद्रास्फीति का प्रभाव, मुद्रास्फीति पर नियंत्रण, मुद्रा आपूर्ति, अधिमानी तरलता, प्रबंधकीय प्रवीणता, ब्याज की दर और निवेश।

बैंकिंग - बैंकिंग की परिभाषा, कार्य और उपयोगिता, वाणिज्यिक बैंकिंग के सिद्धांत, बहु-प्रम सृजन, ठोस बैंकिंग प्रणाली के आवश्यक तत्व।

केन्द्रीय बैंक - कार्य, ऋण नियंत्रण के साधन और मुद्रा बाजार।

अंतर्राष्ट्रीय व्यापार - आयात-निर्यात की बुनियादी विशेषताएँ।

- (iii) **राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय वित्तीय संस्थान** - भारतीय औद्योगिक वित्त निगम (आई एफ सी आई), भारतीय औद्योगिक विकास बैंक (आई सी आई सी आई), नियात-आयात बैंक (एक्सिस), एशियन डेवलपमेंट बैंक, अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष, अंतर्राष्ट्रीय पुनर्निर्माण एवं विकास बैंक (विश्व बैंक)।

सार्वजनिक वित्त - प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष कर, कर के सिद्धांत, उत्पादन और वितरण पर कर के प्रभाव, कर योग्य क्षमता धाटे वाली वित्तीय प्रणाली।

खण्ड II : कारोगार के बुनियादी तत्व (50 अंक)

- (i) **कारोबार एककों के प्रकार** - पूर्ण स्वामित्व, साझेदारी, कम्पनियां, सहकारिता, अविभाजित हिन्दू परिवार, संयुक्त स्टॉक कम्पनियां, सार्वजनिक उपयोगिता सेवाएँ और सरकारी उद्यम।

कम्पनी संगठन और प्रबंधन - कम्पनियों के प्रकार, उनका गठन, कारोबार का निगमन और प्रारंभ, संस्था का ज्ञापन और संस्था के अंतर्नियम, पाठ्य-पुस्तकों की विवरणिका, शेयर और लिंबेचर, निदेश मण्डल और सामान्य बैठकें।

कारोबार के उद्देश्य - सामाजिक उत्तरदायित्व की संकल्पना और युक्ति, कारोबार और इसका परिवेश, कानून, राजनीतिक, आर्थिक, सामाजिक और सांस्कृतिक पहलुओं के साथ सम्पर्क।

स्टॉक एक्सचेंज और इसके कार्य - डालर और ब्रोकरों के संबंधवाहार, आर्थिक महत्व, सदस्यता की शर्तें, स्टॉक-एक्सचेंज की भूमिका।

- (ii) **कारोबार पत्राचार और प्रतिवेदन लेखन** - वाणिज्यिक पत्राचार और प्रतिवेदन लेखन।

प्रश्न-पत्र 4 : कारोबार गणित और सांख्यिकी के बुनियादी तत्व (एक प्रश्न-पत्र : 3 घण्टे: 100 अंक)

लक्ष्य परिमाण साधन की बुनियादी समझ सुनिश्चित करना और कारोबार की समस्याओं में उसका प्रारंभिक उपयोग।

ज्ञान का स्तर - बुनियादी ज्ञान।

अंक गणित (15 अंक)

औसत, मिश्रण, ब्याज परिकलन, बिलों में बट्टा काटना, प्रतिशत, अनुपात और समानुपात।

बीज गणित (25 अंक)

- (i) संख्या प्रणाली - वास्तविक, काल्पनिक, तार्किक और अतार्किक।
(ii) सैटों का प्रारंभिक ज्ञान और उन पर कार्य करना। वैन आरेख के प्रयोग के जरिए साधारण प्रयोग और समाधान। सही तालिका और विवरणिकाओं में उसका प्रयोग।
(iii) घातांक और अनाकर्णित, रूपांतर, लघुगणक, क्रम संबंध और संसर्ग, चक्रवृद्धि ब्याज।
(iv) रैखिक समानान्तर समीकरण का हल और प्रणाली (केवल 3 पक्ष) वर्ग समीकरण, रैखिक असमानताओं का हल (केवल ज्यामितीय पद्धति द्वारा)

क्षेत्रमिति (30 अंक)

त्रिकोणों, वृत्तों, चतुर्भुज, समकोण बहुभुज का क्षेत्रफल और परिधि, धन, क्रयम आयात, बैलन, पिशमिड, शंकु, शंकुछिन्नक और मण्डल (भण्डलाकृति और वृत्तखण्ड समेत) आयतन और धरातल समतल निर्देशांक ज्यामिति (केवल आयताकार कार्तिय समन्वयन)। रेखा खण्डवृत्त की लम्बाई, अशानुपाल, रेखा का व्युत्कल, सीधी रेखाओं, वृत्तों, परवलयों, दीर्घवृत्तों और अतिपरवलयों का समीकरण (केवल मानक रूप)।

प्रारंभिक सांख्यिकी (30 अक)

सांख्यिकी आंकड़ों, बारम्बारता बण्टन, केन्द्रीय प्रवृत्ति के माप (माध्य, माध्यिका, बहुलक) विचलन के माप (अणी, माध्य विचलन, मानक विचलन, प्रसरण) एक्सूनैस और कुर्तेसिस के मापों का रेखाचित्र प्रस्तुतीकरण

(iii) विनियम 20 ग के स्थान पर निम्नलिखित विनियम प्रतिस्थापित किया जाएगा, अर्थात्:

'20 ग. आधार पाठ्यक्रम परीक्षा: (1) यदि कोई अभ्यर्थी परीक्षा में एक ही बार में प्रत्येक विषय में कम से कम चालीस प्रतिशत अंक तथा सभी विषयों में कुल मिलाकर पचास प्रतिशत अंक प्राप्त करता है तो उत्तीर्ण हुआ घोषित किया जाएगा। तथापि, काउंसिल अपने विवेक से किसी अथवा सभी परीक्षाओं के लिए पृथक न्यूनतम उत्तीर्ण अंक निर्धारित कर सकता है।

(2) प्रत्येक अभ्यर्थी को उसके परीक्षा परिणाम और उस परीक्षा के एक प्रश्न-पत्र अथवा सभी प्रश्न-पत्रों में प्राप्त अंकों के बारे में भी व्यक्तिगत रूप से अवगत कराया जाएगा जिसकी वह परीक्षा दे चुका है।

आधार पाठ्यक्रम परीक्षा उत्तीर्ण करने वाले अभ्यर्थी को अंक तालिका को छोड़कर कोई प्रमाण-पत्र जारी नहीं किया जाएगा।

(3) पूर्ववर्ती विनियमों में यथा अन्यथा विशेषरूप से उल्लिखित को छोड़कर, विनियम 36 से 43 में परीक्षाओं के संचालन संबंधी उपबंध, जहाँ तक हो सके, आधार पाठ्यक्रम परीक्षा पर लागू होंगे।

(4) विनियम 20 वी में उल्लिखित पाठ्य विवरण के अंतर्गत प्रथम आधार पाठ्यक्रम परीक्षा दिसम्बर, 2002 में आयोजित की जाएगी।'

(iv) विनियम 30 में उप-विनियम (3) के स्थान पर निम्नलिखित उप-विनियम प्रतिस्थापित किया जाएगा, अर्थात्-

'(3) किसी अभ्यर्थी को मध्यवर्ती परीक्षा में तब तक प्रवेश नहीं दिया जाएगा जब तक कि वह परिषद् द्वारा समय-समय पर यथानिर्धारित शुल्क जोकि एक हजार पाँच सौ रुपए मात्र से अधिक न हो, के साथ निर्धारित प्रपत्र में आवेदन नहीं कर लेता/लेती है।'

(v) विनियम 31 के स्थान पर निम्नलिखित विनियम प्रतिस्थापित किया जाएगा :-

'31 संशोधित पाठ्य-विवरण के अंतर्गत मध्यवर्ती परीक्षा के चरण, प्रश्न-पत्र और पाठ्यक्रमः

1. कॉर्ट एण्ड वर्क्स एकाउन्टेंट्स (संशोधन) विनियम, 2002 के लागू होने के तुरंत पश्यात् इस विनियम में उल्लिखित पाठ्य-विवरण के अंतर्गत प्रथम मध्यवर्ती परीक्षा दिसम्बर, 2002 में आयोजित की जाएगी। 1 जुलाई, 2002 को अथवा उसके पश्यात पंजीकृत विद्यार्थी और 1 जुलाई, 2002 से पूर्व पंजीकृत सभी अन्य विद्यार्थी जो दिसम्बर, 2004 में आयोजित होने वाली मध्य-वर्ती परीक्षा के लिए अभ्यर्थी हैं, उनकी परीक्षा इस विनियम में उल्लिखित पाठ्य-विवरण के अनुसार ली जाएगी। पुराने पाठ्य-विवरण के अंतर्गत मध्यवर्ती परीक्षा के चरण, प्रश्न-पत्र और पाठ्य-विवरण वही रहेंगे जो कॉर्ट एण्ड वर्क्स एकाउन्टेंट्स (संशोधन) विनियम, 2002 के लागू होने की तारीख से ठीक पहले थे। पुराने पाठ्य-विवरण के अंतर्गत अंतिम मध्यवर्ती परीक्षा जून, 2004 में आयोजित की जाएगी।

2. इस विनियम में उल्लिखित पाठ्य-विवरण के अंतर्गत मध्यवर्ती-परीक्षा के चरण, प्रश्न-पत्र और पाठ्य-विवरण निम्नानुसार होंगे:-

चरण 1

प्रश्न-पत्र 5 : लागत और प्रबंधन लेखा-विधि (एक प्रश्न-पत्र : 3 घण्टे : 100 अंक)

(i) **लागत और प्रबंधन लेखा-विधि के बुनियादी तत्वः**
लागत लेखा-विधि और प्रबंधन लेखा-विधि का विवरण, लागत संकल्पनाएं और लागत उद्देश्य, लागत वर्गीकरण, लागत संगठन और अन्य विभागों के साथ इसके संबंध। लागत और लागत निर्धारण के तत्वः सामग्री लागत-क्रय प्रक्रिया, भण्डार रखण और स्टॉक नियंत्रण, सामग्री निर्गत कीमत और उसकी लेखा-विधि, सतत् तालिका और भौतिक स्टॉक लेना, मन्द, अवल और तीव्रघल मर्दों की पहचान, एवं सी विश्लेषण, जे आई टी प्रणाली, तालिका और आर्थिक क्रम परिमाण स्तर, स्टॉक में विसंगतियों के समाधान का विश्लेषण, जांच पड़ताल और उपचारात्मक कदम - अन्य उपायों के जरिए नियंत्रण।

श्रम लागत - पारितोषिक पद्धति, धन और धन-इतर प्रोत्त्वाहन योजनाएं, वेतन विट्ठों की प्रक्रिया, श्रम विश्लेषण और बेकार समय, श्रम कुशलता और उत्पादकता मापन, अनुत्पादक समय और इसकी लागत का विश्लेषण, श्रम कारोबार और उपचारात्मक उपाय, बेकार समय और अधिसमय का समाधान।

प्रत्यक्ष व्यय - प्रकृति, संग्रह, वर्गीकरण और प्रत्यक्ष व्ययों का समाधान।

(ii) **उपदिव्यय - प्रकृति, संग्रह और वर्गीकरणः**

उत्पादन उपरिव्यय - संग्रह, प्रयोजन, सममिलन, पूर्व निर्धारित वसूली दरों का प्रयोग, कम और अधिक समाप्तोलन का

समाधान, नियम, अस्थिर और अर्थ-अस्थिर उपरिव्यय, उपरिव्यय लागत नियंत्रण की रिपोर्ट ।

प्रशासन, विक्री और वितरण उपरिव्यय - लागत और नियंत्रण, लेखा-विधि में विविध मदों का विश्लेषण, समाधान ।

लागत शीट तैयार करना

(iii) लागत निकालने की पद्धति:

विशिष्ट आईआर लागत - जॉब, बैच और ठेका, जॉब बैच और ठेका में लागत लेखा-विधि का निर्धारण, जॉब लागत में छल रहे कार्य का मूल्यांकन, ठेका लागत की विशेषताएं, किए गए कार्य का प्रभाणन, अपूर्ण ठेकों पर लाभ, लागत जमा ठेके ।

प्रक्रिया सागत - सामान्य और सामान्य घाटा और लाभों का समाधान, प्रथम प्रवेश-प्रथम निकास एवं औसत पद्धतियों का प्रयोग करते हुए छल रहे कार्य का मूल्यांकन (समान उत्पादन), संयुक्त उत्पादों, उप-उत्पादों, खराब, बेकार और दोषपूर्ण सामग्रियों की अंतस-प्रक्रिया हस्तांतरण और कीमत निकालतना, संकल्पनाएं और लेखा-विधि, अनुसंधान एवं विकास व्यय ।

सेवा अध्यवा प्रधालन लागत निकालना - लागत और वित्तीय लेखाओं का लागत लेजर, समाधान, समेकित लेखे, लेखाओं का कम्प्यूटरीकरण का आधार ।

(iv) सीमांत लागत और संतुलन-स्तर विश्लेषण-

सीमांत लागत और समिलन लागत, लागत-परिमाण-लाभ विश्लेषण, संतुलन-स्तर विश्लेषण, संतुलन-स्तर विश्लेषण की सीमाएं, अधिमानी लागत विश्लेषण और संगत लागत विश्लेषण, निर्णय लेने में प्रबंधन का अनुप्रयोग (सरल किसी)

(v) बजट संबंधी नियंत्रण: बुनियादी संकल्पनाएं, प्रधलनात्मक बजट और प्रमुख बजट, लोधशील बजट।

(vi) मानक लागत - मानक लागत लेखा-विधि पद्धतियों की संकल्पनाएं/प्रयोग और स्थापना, सरल लागत विभेदों की संगणना, मानक लागत और बजटीय नियंत्रण का संबंध, लागतों में विभेद के संभव कारण ।

(vii) समान लागत, अंतरफर्म तुलना, लागत में कमी, मूल्य प्रबंधन समेत मूल्य विश्लेषण/इंजीनियरिंग।

(viii) नकद प्रवाह और निधि प्रवाह विश्लेषण ।

(ix) वित्तीय विश्लेषण और नियंत्रण ।

प्रश्न-पत्र : ६: सूचना प्रणाली और प्रौद्योगिकी (एक प्रश्न-पत्रः ३ खण्ड : 100 अंक)

(i) सूचना प्रणाली और प्रौद्योगिकी के बुनियादी तत्व - विभिन्न किसी की सूचना प्रौद्योगिकी हार्डवेयर और साफ्टवेयर जो सामान्य प्रयोग में हैं । उपलब्ध विभिन्न हार्डवेयर और अनुप्रयोग संघटन (अर्थात् केन्द्रीयकृत, आबंटित, ग्राहक सर्वर) और सूचना प्रौद्योगिकी में हनके प्रयोग की जरूरत (अर्थात् पीसी, सर्वर, नेटवर्क परीफेरल) । सामान्य प्रणाली के सिद्धांत की परिकल्पनाएं और सूचना प्रणाली में उनका अनुप्रयोग । योजना बनाने, निर्णय लेने और नियंत्रण में सुधार लाने और इसमें सहायता करने के लिए आंकड़ों एवं सूचना का विनिर्माण करना । संगठन के विभिन्न स्तरों पर निर्णय लेने में सूचना का प्रयोग करना और सूचना प्रणाली के विभिन्न संघटन जो उन निर्णयों का समर्थन कर सकते हैं (अर्थात् संचावहार प्रसंस्करण प्रणाली, प्रबंधन सूचना प्रणाली, डीएसी, उत्तम सूचना प्रणाली और अन्य निपुण प्रणाली) प्रणाली मूल्यांकन और प्रणाली विकास समय चक्र के चरण । प्रणाली की जांच-ऑफ साइन, ऑनलाइन और यूजन-स्वीकृति/प्रणाली-चेंजओवर पद्धति । सूचना प्रौद्योगिकी निवेश संबंधी लागत के लाभों का विश्लेषण । साइबर नियमों के बुनियादी तत्व ।

(ii) कार्य योजना सूचना प्रबंधन - विभिन्न संगठनों की सूचना, सूचना की जरूरत और सूचना के मूल्य का आंकलन करने के लिए विभिन्न स्तरों पर लागत-प्रबंधन के लाभों का विश्लेषण । आंकड़ा संग्रह की विद्वतियों । इलैक्ट्रॉनिक वाणिज्य और कारबाह कार्ययोजना पर इसका प्रभाव । प्रमुख तत्व के रूप में ज्ञान प्रबंधन । कार्य योजना प्रक्रिया में डाटाबेसों और प्लानिंग मापदण्डों का प्रयोग अर्थात् - बाह्य डाटाबेस, आर्थिक मापदण्ड, पूर्वानुमान और मॉडलिंग पैकेज/एप्लीकेशन । संगठन संरचना के बारे में सूचना विकास और प्रबंधन ।

(iii) संगठन कार्य-योजना के अनुपूरक के रूप में एक आईएस/आईटी की जरूरत । पोर्टर के पाँच तत्वों और मूल्य श्रृंखला जैसे ढाँचों का प्रयोग करने पर किसी उद्घोग में सूचना प्रौद्योगिकी का प्रभाव । विपणन और विक्री क्रियाकलापों के हिसाब से इन्टरनेट और डब्ल्यू डब्ल्यू का कार्य-योजनात्मक कारोबारी उपयोग ।

कारबाह एकीकरण - आईएस/आईटी की भूमिका के निर्धारण में कार्य योजना, जनसा, प्रौद्योगिकी और प्रधालनों के बीच । नव परिवर्तन और कारबाह प्रक्रिया इंजीनियरिंग में सूचना प्रौद्योगिकी की भूमिका ।

सूचना प्रणाली/सूचना प्रौद्योगिकी कार्य योजना और क्रियान्वयन - सूचना प्रणाली, सूचना प्रौद्योगिकी और सूचना कार्य योजनाओं का प्रयोजन । सूचना प्रणाली/सूचना प्रौद्योगिकी का सामाजिक और संगठनात्मक प्रभाव - मानव सूचना प्रोसेसर और अधिकृतम लाभ प्राप्त करने के लिए प्रयोगगानुकूल इन्टरफ़ेस प्रदान करने के निहितार्थ जबकि संभावित कमियों को कम करना, दूर से कार्य करने में बढ़ रही जागरूकता, प्रबंधन में परिवर्तन और स्टॉफ की संभावित प्रतिक्रिया ।

(iv) लेखा परीक्षा: समीक्षा की प्रक्रिया और आंतरिक नियंत्रण की लेखा-परीक्षा । ऐसी समीक्षा में सहायता करने के लिए उपलब्ध प्रमुख साधन (अर्थात् लेखा परीक्षा योजना,

प्रलेखन प्रणाली, आंतरिक नियंत्रण प्रश्नावलियां, नमूना बनाना और जार्च करना) आंतरिक लेखा परीक्षक, बाह्य लेखा-परीक्षक। कम्प्यूटरीकृत परिवेश में लेखा परीक्षा में सहायता के लिए उपलब्ध तकनीक। धोखाधड़ी से बचने के लिए आंकड़ों की सुरक्षा करना, प्रणाली का मूल्यांकन करना।

(v) प्रबंधन लेखा-विधि और कार्य योजना प्रबंधन में कम्प्यूटर का अनुप्रयोग - विशेष बल : इस आर पी और रिलेशनल डाटा बेस प्रबंधन प्रणाली का प्रयोग (जैसे आरेकल) 2. विस्तृत अध्ययन के लिए इंस्टीट्यूट द्वारा प्रति वर्ष घटन किए जाने वाले विशिष्ट अनुप्रयोग प्रणाली कार्यक्रम। सामान्य अध्ययन में शामिल किए जाने हेतु समय-समय पर विकसित अन्य अनुप्रयोग प्रणाली।

प्रश्न-पत्र 7: कारबाह नियम और संचार निपुणता (एक प्रश्न-पत्र: 3 घण्टे: 100 अंक)

खण्ड 1 - कारबाह नियम (70 अंक)

(i) भारतीय कानून प्रणाली - न्यायालिका प्रणाली - सर्वोच्च न्यायालय, उच्च न्यायालय और अधीनस्थ न्यायालय।

(ii) संविदा अधिनियम के आवश्यक तत्व - धैध, शून्य और परियाण करने योग्य संविदाएं, अर्द्ध-संविदाएं, बेलमेंट, शर्ट और वार्टी, संविदा तोड़ना, नुकसान। वस्तु बिक्री अधिनियम के मुख्य उपबंध।

(iii) साझेदारी अधिनियम - मुख्य विशेषताएं, नाबालिकों की स्थिति, अंतर्रूप प्राधिकार, विघटन।

(iv) कम्पनी अधिनियम, 1956 - परिमाण, संगठन के दुनियादी मामले, प्रवर्तक के कार्य, बुनियादी मामले और प्रलेखन का सामान्य ढाँचा, बैठकें एवं कार्यवाहियां, कम्पनी प्रचालनों का प्रबंधन, समाप्त करना, कुप्रबंधन और व्यवस्थाएं, शेयर और डिवेंचर, कम्पनी के ऋण, लेखा और लेखा-परीक्षा तथा एक लेखाकार के अधिकार और शक्तियां, लागत लेखा-विधि अभिलेख और लागत लेखा परीक्षा, लेखा परीक्षक की रिपोर्ट और स्पष्टीकरण, सरकारी कम्पनियों और साधिक निगमों के लेखाओं को तैयार करना और उन्हें प्रस्तुत करना। समय-समय पर यथा संशोधित निगम के नियम।

(v) निम्न के सामान्य संकल्पनाएं एवं उद्देश्य :

विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम, प्रतिस्पर्धा संबंधी नियम, बोनस भुगतान अधिनियम, ग्रेज्यूटी भुगतान अधिनियम उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम, वायु, जल और ध्वनि प्रदूषण अधिनियम, औद्योगिक विकास और विनियम अधिनियम, औद्योगिक विवाद अधिनियम और वर्तमान विनियम।

खण्ड-II - पत्राचार निपुणता (30 अंक)

पत्र-लेखन, प्रतिवेदन लेखन, प्रारूपण और व्यापार संबंधी पत्राचार। पत्र लेखन, प्रतिवेदन लेखन, प्रारूपण और व्यापार संबंधी पत्राचार: निजी मामलों समेत जैसे कारण बताओं नोटिस, आरोप-पत्र, निष्कासन, पदच्युत-पत्र और अन्य सजा, बिक्री संबंधी मामले जैसे बाजार सर्वेक्षण रिपोर्ट तैयार करना, विज्ञापनों

इत्यादि का प्रारूपण, वित्तीय मामले जैसे- ओवर ड्राफ्ट, नकद ऋण, चालू खाता के बारे में बैंक के साथ, दावों के निपटान के बारे में बीमा कम्पनियों के साथ, रियायती छाक दर इत्यादि के बारे में छाक एवं तार प्राधिकारियों के साथ पत्राचार, अंतर विभागीय पत्राचार जैसे आंतरिक ज्ञापन, कार्यालय परिषद, कार्यालय कार्ड इत्यादि, प्रैस विज्ञाप्ति तैयार करना।

प्रश्न-पत्र 8: कारबाह कर (एक प्रश्न-पत्र: 3 घण्टे: 100 अंक)

खण्ड 1. प्रत्यक्ष कर (50 अंक)

(i) प्रत्यक्ष कर के नियम - आयकर अधिनियम, 1961 का विस्तृत अध्ययन, धन-कर अधिनियम, पूजी और राजस्व व्यय, भानी गयी आय को शासित करने वाला नियम, आवास संकल्पना।

कर निर्धारणी, पंजीकृत फर्म, अधिभाजित हिन्दू परिवार, कम्पनियों, व्यक्तियों का संगठन, सहकारिता, अनिवासी भारतीय और दोहरे कराधान से बचना।

(ii) आय के शीर्ष शामिल करने की समस्याएं - येतन, ऊपरी आमदनीश् ग्रेज्यूटी और सेवानिवृति के लाभ, भवन सम्पत्ति से लाभ, पूजीगत लाभ। अन्य स्रोतों से आय, कारबाह और व्यवसाय से आय, आय के एकीकरण से होने वाली समस्याएं और घाटे को अकित करना तथा उसे अध्रेनीत करना, आय परिकलन और आयकर विवरणी, दायर करने की प्रक्रिया।

कर लेखा-परीक्षा

कर प्रशासन - केन्द्रीय प्रत्यक्ष बोर्ड मे अपील, पुनरावलोकन, समीक्षा और समाधान हेतु आवेदन करना।

अधिग्रहण कार्यवाहियां - धन एवं अधल सम्पत्ति के मूल्यांकन का सिद्धांत।

कर प्रोत्साहन और निर्यात संबंधन, अध्याय धू के तहत कठौती, अन्य लाभ और कर संबंधी घूट।

खण्ड II - अप्रत्यक्ष कर (50 अंक)

(i) अप्रत्यक्ष कर के नियम, प्रशासन और संगत कार्यवाहियां -

- (क) केन्द्रीय मूल्यवर्धित कर (सैटवट) समेत केन्द्रीय उत्पाद शुल्क,
- (ख) केन्द्रीय बिक्री कर अधिनियम, 1956(1956 का 74),
- (ग) सीमा-शुल्क अधिनियम, 1962(1962 का 52), और
- (घ) उत्पाद शुल्क लेखा-परीक्षा।

- (ii) अप्रत्यक्ष करों के अंतर्गत कर निर्धारण करवाने वाले द्वारा देय कर का निर्धारण ।
- (iii) विभिन्न प्राधिकारियों की शक्तियाँ ।
- (iv) गैट ४४, उम्मीदवाही, पाटन-रोधी प्रक्रिया पर कर का प्रभाव ।
- (v) टैरिफ आयोग और अन्य टैरिफ प्राधिकरण ।

प्रश्न-II**प्रश्न-पत्र ३ : प्रबंधन लेखा-विधि-निष्पत्ति प्रबंधन**

(एक प्रश्न-पत्र: 3 घण्टे: 100 अंक)

- (i) प्रबंधन के सामान्य सिद्धांत, परिवर्तन प्रबंधन, प्रबंधन के रूप ।
- (ii) कारबाह निष्पत्ति मापन एवं निष्पादन विकास अर्थात् वित्तीय (आर और आई, आर आई, ईपीएस, एनपीडी इत्यादि) और गैर-वित्तीय अर्थात् संतुलित स्कोर बोर्ड, सरकारी उद्यमों में निष्पादन मूल्यांकन ।
- (iii) **मानक लेखा-विधि** - मानक लेखाविधि, लागत और विक्री विधलनों के अंतर्गत मानक, लेखा विधि स्थापित करना, वास्तविक मानक लागत और लाभों का समाधान, विधलनों की व्याख्या और उनकी जांच - अंतर संबंधी, महत्व, योजना और प्रधालन संबंधी विधलन, बैच भार्किंग, बजट बनाने और मानक लेखा-विधि में व्यवहारात्मक पहलू ।
- (iv) **बजट तैयार करना** - योजना, कार्यसालन और प्रमुख बजट, समय श्रृंखला, 'क्या यदि' विश्लेषण, नियन्त्रण योग्य और अनियन्त्रण योग्य लागत, उत्तदायी बजट-लागत, लाभ और निवेश केन्द्र और प्रमाणीय निष्पादन मापन, आशिक आय, कठोर और लचीला बजट बनाना, कार्यकलाप आधारित बजट बनाना, विधलनों के संबंध में कार्रवाई करने के सुझावों के साथ प्रबंधन को रिपोर्ट करना। अंतरण कीमत और अंतरण कीमत प्रणाली के सिद्धांत - लागत/मानक लागत, लागत/मानक लागत जमा, बाजार कीमत, बाजार कीमत घटा बढ़त ।
- (v) **संसाधनों का आवंटन** - संसाधन योजना प्रणाली - ऐम आर पी रु, ऐम आर पी रुड और ईआरपी, समय पर, कार्यकलाप आधारित लागत, लागत में कमी, मूल्य विश्लेषण, कुल गुणवत्ता प्रबंधन ।
संसाधन आवंटन के एकल, दोहरे सीमांकन कारक, ऐक्षिक कार्यक्रम बनाना, परिवहन, क्यूइंग और सिमुलेशन समस्याएं
संतुलन स्तर समेत बहु-उत्पाद वी सी पी विश्लेषण, लाभ लक्ष्य, सुख्ता मार्जिन, पी/वी अनुपात, संतुलन स्तर चार्ट, लाभ परिमाप-ग्राफ ।

प्रश्न-पत्र 10 एडवार्स्ड वित्तीय लेखा-विधि(एक प्रश्न-पत्र: 3 घण्टे: 100 अंक)

- (i) **लेखा-विधि के बुनियादी सत्त्व, संकल्पनाएं और परिपाठी** - कारबाह आय का मापन, लेखा विधि मानकों का गहन अध्ययन - राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय, यूएस गाप, उद्यमों का मूल्यांकन, तालिकाओं, गुणविल और शेयरों का मूल्यांकन, शेयरों की पुनर्खरीद ।
- (ii) **कम्पनी के लेखा तैयार करना** - सभाप्रिलिन और अभिलन पुनर्निर्माण और पूँजी में कमी करना, नियन्त्रक कम्पनियाँ, मर्जर्स, डियर्जर्स, संयुक्त उद्यम और एसोसिएट्स फर्मों का समामोलन, फर्मों की कम्पनियों में परिवर्तन ।
- (iii) **शाखा और विभागीय लेखे** - बट्टे में देना, भाषा खरीद और किस्तों का भुगतान, रॉयलटी संबंधी लेखे - संविदा लेखे, निवेश लेखे ।
- (iv) **अपूर्ण अभिलेखों से लेखे तैयार करना** - स्व संतुलन लेजर ।
- (v) **अन्य संगठनों में लेखा-विधि सेवाएं** - फार्म लेखा-विधि, होटल लेखा-विधि, मुनाफा न कमाने वाले संगठनों के लिए लेखा-विधि, अर्थात् अस्पताल और शिक्षण संस्थानों के लिए लेखा-विधि, स्थानीय स्वशासन-ग्रामीण और शहरी के लिए लेखा-विधि ।
- (vi) **बैंक और बीमा कम्पनियों के लिए लेखा-विधि** - समुद्री बीमा दावों समेत स्टॉक घाटा, लाभ घाटा और अन्य क्षतिपूर्तियों के लिए लेखा-विधि आई ए एस 2.7 और ९ के अनुसार विद्युत कम्पनी लेखे, सॉफ्टवेयर लेखा-विधि ।
- (vii) **भारत में संरक्षक लेखा-विधि** - सामान्य सिद्धांत, वाणिज्यिक लेखा विधि के साथ तुलना, भारत के नियन्त्रक एवं महालेखा परीक्षक की भूमिका और लोक लेखा समिति-लेखाओं की समीक्षा ।

प्रश्न-पत्र 11: लेखा-परीक्षा (एक प्रश्न-पत्र: 3 घण्टे: 100 अंक)

- (i) **लेखा-परीक्षण का विकास** - लेखा परीक्षण के प्रमुख प्रभाव, लेखा-परीक्षण की प्रकृति और कार्यक्षेत्र, लेखा परीक्षण की बुनियादी संकल्पनाएं, लेखा परीक्षण में साक्षों की भूमिका, लेखा परीक्षण की तकनीक और तरीके - सामान्य रूप से स्वीकृत लेखा-परीक्षण के मानक, लेखा परीक्षण में भौतिकत्व की संकल्पना ।
- (ii) **परिसम्पत्तियों एवं देशताओं का सत्यापन** - नियन्त्रक परिसम्पत्तियाँ, निवेश, सम्पत्ति तालिका, कर्जदार, ऋण एवं अग्रिम, नकद एवं बैंक जमा राशियाँ,

डिवेलपमेंट एवं और श्रृंगाराता, कर निर्धारण की व्यवस्था, प्रस्तावित लापांश और ग्रेड्यूटी - तुलन-पत्र में अन्य मर्दे, लाभ और हानि संबंधी लेखों में वर्ज प्रविष्टियों की जांच, आकस्मिक देखता, लेखा-विधि की नीतियों, तरीकों का प्रकटन, निर्माण अवधि के दौरान व्यय, पूर्ववर्ती वर्ष के समायोजन - लेखों के बारे में कम्पनी अधिनियम, 1956 का प्रावधान।

आंतरिक नियंत्रण का स्वरूप, आंतरिक नियंत्रण का मूल्यांकन और लेखा-परीक्षा - आंतरिक नियंत्रण प्रश्नावलियां, प्रवाह चार्ट, लेखा परीक्षा प्रणाली, आंतरिक नियंत्रण।

गहन लेखा परीक्षा -लेखा परीक्षण में सांख्यिकीय संपर्लिंग, तुलना के लिए अनुपात और प्रतिशत का प्रयोग और विश्लेषण प्रवृत्तियां - अंतर-फर्म और अंतर-फर्म तुलना।

(iii) कानूनी सेखा परीक्षकों की नियुक्ति - लेखा परीक्षकों का पारितोषण, कानूनी लेखा परीक्षकों को हटाना, उनके अधिकार, कर्तव्य, संयुक्त लेखा परीक्षक, शाखा लेखा परीक्षा।

लेखा परीक्षा रिपोर्ट - रिपोर्ट बनाम प्रमाण-पत्र, रिपोर्टों का सारतत्व, रिपोर्ट की विशेषताएँ।

भाज्य लाभ - कम्पनी अधिनियम 1956 के संगत उपबंध और आयकर अधिनियम, 1961

कानूनी लेखापरीक्षकों और आंतरिक लेखा परीक्षक के बीच सम्पत्ति।

(iv) आंतरिक लेखा-परीक्षण की प्रकृति एवं कार्य-क्षेत्र- वित्तीय बनाम प्रचलनात्मक लेखा-परीक्षा, निपुणता लेखा परीक्षा की संकल्पनाएँ, स्वाभित्र लेखा परीक्षा, वाउचर लेखा परीक्षा, अनुपालन लेखा परीक्षा, लेखा परीक्षा पूर्व एवं पश्चात्।

आंतरिक लेखा परीक्षण कार्यों पर विनिर्माण एवं अन्य कम्पनियों (लेखा परीक्षक की रिपोर्ट) आदेश, 1988 का प्रभाव।

आंतरिक लेखा-परीक्षण कार्यों का संगठन - स्टॉफ का चयन और प्रशिक्षण - लेखा परीक्षा परियोजनाओं का आबंटन, आंतरिक लेखा परीक्षण कार्यों की संगठनात्मक स्थिति, लेखा परीक्षा समितियों का कार्यक्षेत्र।

आंतरिक लेखा परियोजना की योजना बनाना, ज्ञान रखना, जांच-सूची तैयार करना, आंतरिक नियंत्रण प्रश्नावलियां, लेखा परीक्षा कार्यक्रम।

(v) साक्षों का सत्यापन - विस्तृत जांच बनाम योजनाओं का नमूने लेना, आंतरिक लेखा परीक्षण में यथा-प्रयुक्त सांख्यिकी नमूने लेना, प्रवाह चार्ट तकनीक।

आंतरिक नियंत्रण -प्रकृति और कार्य-क्षेत्र, आंतरिक लेखा परीक्षक और आंतरिक नियंत्रण।

लेखा विधि कार्य - साक्ष एकत्र करना, साक्षात्कार, ज्ञापन। लेखा परीक्षा टिप्पणियां और कार्यशील कागजात।

लेखा परीक्षा रिपोर्ट - प्रभावी रिपोर्टिंग की तकनीक, लेखा परीक्षा रिपोर्ट पर अनुवर्ती कार्रवाई।

उच्च प्रबंधन की सारांश रिपोर्ट।

आंतरिक लेखा विधि में पत्रावार - लेखा परीक्षा - लेखा-परीक्षिती के संबंधों में सुधार करना।

(vi) किसी उद्यम की कार्य प्रणाली की लेखा-विधि -

लेखा-विधि और वित्त, तालिका नियंत्रण, क्रय, उत्पादन, विषणन, रख-रखाव, कर्मचारीवृद्धि, शाखाएँ एवं डिपो, अनुसंधान एवं विकास, सूचना प्रणाली की लेखा परीक्षा, आंतरिक लेखा परीक्षक और धोखा-धंडियों की जांच। आंतरिक लेखा परीक्षण कार्य की लेखा-विधि।

(vii) यूएस गाप के अनुसार तैयार लेखों की लेखा परीक्षा।

(viii) संविधानात्मक लेखा परीक्षा - जांच-सूची, संस्था के ज्ञापन और अंतरनियमों के तत्त्व, शेरों का निर्गम, राइट ईश्यू रजिस्टरों का रख-रखाव।

प्रश्न-पत्र 12: परिमाण पद्धति(एक प्रश्न-पत्र: 3 घण्टे: 100 अंक)

गणितीय तकनीक(40 अंक)

बीजगणित वैकर्त्स और मैट्रिक्स और निर्धारक तत्व: जोड़, घटाना, गुणा और वैकर्त्स और मैट्रिक्स का व्युक्तम, मैट्रिक्स बीज-गणित की मदद से रेखिक समीकरण पद्धति का हल।

फलन(फैलकुलस) - रूपांतर, स्थिरांक, फलन - फलन रेखाचित - बीजगणितीय फलन की सीमाएँ बीजगणित फलन के विभेदन - व्युत्पन्न का अर्थ, प्रथम एवं द्वितीयांक व्युत्पन्नों का मूल्यांकन, आशिक विभेदन, बीजगणित फलनों का न्यूनाधिक का प्रयोग करते हुए प्रश्नों का हल।

युग्मन (प्रतिस्थापन और भागांशों द्वारा): सरल फलनों के निश्चित और अनिश्चित पूर्णांक निर्धारण - ठोस और रियोल्यूशन के क्षेत्रफल और परिमाप का मूल्यांकन करने के लिए युग्मन का अनुप्रयोग।

रुक्कावट में फलनों का ऑप्टिमाइजेशन, रैखिक क्रयादेश और हल की सिम्पलैक्स विधि: अन्य प्रचालन अनुसंधान विधियों अर्थात् क्रीड़ा सिद्धांत, अनुकरण, ट्रांस्पोर्टेशन, क्यूइंग, इत्यादि।

सांख्यिकीय तकनीक (30 अंक)

संभावनाएँ - संभावना का अर्थ और परिमाण, पारस्परिक रूप से अन्य एवं संचयी रूप से छक्काने वाली घटनाएँ, पुनरावृत्ति

द्रायल, युग्मिय विश्लेषण, जोड़ और गुणा के नियम, बेटोस प्रयोग और इसका अनुप्रयोग।

जनसंख्या और निर्दर्शन - निर्दर्शन विधियां, दैव निर्दर्शन का प्रयोग, सिमुलेटेड निर्दर्शन, निर्दर्शन वितरण एवं मानक अभुद्धी की परिकल्पना, माध्यमों और प्रतिशतों के लिए विश्वास अंतराल, जांच परिकल्पना और जैड, टी, चि की जांच।

जोखिम और अनिश्चितता में निर्णय लेना, निर्णय द्वारा विश्लेषण।

सरल प्रतिगमन और सह संबंध

आर्थिक तकनीक (30 अंक)

मांग विश्लेषण - मांग का आधार, बाजार मांग फलन, उद्योग मांग बनाम फर्म की मांग, मांग वक्र, मांग फलन और मांग वक्र के बीच संबंध, मांग में परिवर्तन और स्थिति, मांग संबंध और प्रबंधकीय निर्णय, उपभोक्ता व्यावहार का सिद्धांत, प्रतिस्थापना और आय का प्रभाव, कीमत, आय और मांग की पूर्ण लोचशीलता, मांग की अन्य लोचशीलता, लोचशीलता पर समय का प्रभाव, प्राप्त उत्पादों की कीमत लोचशीलता, राजस्व संकल्पना, मांग अनुमान।

पूर्वानुमान - पूर्वानुमान की विधियां, काल माला विश्लेषण, प्रवृत्ति प्रदर्शन, बैरोमीटर अथवा लीडिंग इंडिकेटर विधि, सूचकांक विश्लेषण - कम्पोजिट और डिम्प्यूजन इंडिसेस। इकोनोमेट्रिक मॉडल्स, कब्रफिटिंग और लीस्ट एव्हायर विधियां, सह संबंध और प्रतिगमन विश्लेषण, बहु2 और आ॒शक सह संबंध - आगत-निर्गत विश्लेषण, आगत-निर्गत सारणी द्वारा पूर्वानुमान, मौजूदा और नए उत्पादों के लिए पूर्वानुमान मांग का मापदण्ड।

एम्पीरिकल उत्पादन फलन विश्लेषण, एम्पीरिकल लागत विश्लेषण, अल्प एवं दीर्घ चलन लागत अनुगान, भाग कारक, संयुक्त उत्पादन और बहु-उत्पाद, संयुक्त और बहु-उत्पाद फर्म, उत्पादन कार्य में अनिश्चितता, जोखिम एवं अनिश्चितता में लाभ का आयोजन।

(vi) विनियम 32 में-

- (क) उप-विनियम (1) में '1 जुलाई, 1994' को अथवा उसके पश्चात् शब्दों, अक्षरों और आंकड़ों के स्थान पर '1 जुलाई, 2002' को अथवा उसके पश्चात् शब्द, अक्षर और आंकड़े प्रतिस्थापित किए जाएंगे,
- (ख) उप नियम(3) के स्थान पर निम्नलिखित उप-विनियम प्रतिस्थापित किया जाएगा, अर्थात्-

'(3) एक संक्रमण उपाय के रूप में निम्नलिखित छूट की अनुमति दी जा सकती है:

कोई अभ्यर्थी जो 1 जुलाई, 2002 से पूर्व पंजीकृत है और उसे अभी मध्यवर्ती परीक्षा पास करनी है लेकिन उसने निम्नलिखित प्रश्न-पत्रों में से किसी प्रश्न-पत्र की परीक्षा पास कर ली है अथवा उससे छूट प्राप्त कर ली है, उसे नीचे यथाइंगित इस विनियम के अंतर्गत पाठ्यक्रम के मध्यवर्ती परीक्षा के सदृश्य प्रश्न-पत्रों से छूट प्रदान की जा सकती है:-

मध्यवर्ती परीक्षा के प्रश्न-पत्र कॉर्स एंड वर्क्स एकाउटेंट्स (संशोधन) विनियमन, 2002 की शुरुआत से पहले				मध्यवर्ती परीक्षा के तत्संबंधी समतुल्य प्रश्न-पत्र कॉर्स एंड वर्क्स एकाउटेंट्स (संशोधन) विनियमन, 2002 के बाद			
क्र.सं.	चरण	प्रश्न पत्र	विषय	चरण	प्रश्न पत्र	विषय	
1	I	सभी	-	I	सभी	-	
2	II	सभी	-	II	सभी	-	
3	I	1	विस्तृत लेखा-विधि	II	10	उच्च विस्तृत लेखा-विधि	
4	I	2	लागत लेखा-विधि	I	2	लागत एवं प्रबंधन लेखा-विधि	
5	I	3	निगम कानून एवं संविधालयी व्यवहार	I	7	व्यवसाय कानून और पत्राचार निपुणता	
6	II	5	लागत एवं प्रबंधन लेखा-विधि -	II	9	प्रबंधन लेखा-विधि - निष्पादन प्रबंधन	
7	II	6	लेखा परीक्षा	II	11	लेखा परीक्षा	
8	II	8	गुणात्मक पद्धति	II	12	गुणात्मक पद्धति "	

(vi) विनियम 33 में उप-विनियम (3) के स्थान पर निम्नलिखित उप विनियम प्रतिस्थापित किया जाएगा, अर्थात्:-

'(3) किसी अभ्यर्थी को अंतिम परीक्षा में प्रवेश तब तक नहीं दिया जाएगा जब तक कि वह परिषद द्वारा समय समय पर यथा निर्धारित शुल्क, जो दो हजार रुपए मात्र

से अधिक न हो, के साथ निर्धारित प्रपत्र में आवेदन नहीं कर लेता।

(viii) विनियम 34 के स्थान पर निम्नलिखित विनियम प्रतिस्थापित किया जाएगा, अर्थात् -

“34. संशोधित पाठ्य विवरण के अंतर्गत अंतिम परीक्षा के चरण, प्रश्न-पत्र और पाठ्य विवरण:

(1) इस विनियम में उल्लिखित पाठ्य विवरण के अन्तर्गत प्रथम अंतिम परीक्षा कॉस्ट एण्ड वर्क्स एकाउटेंट्स(संशोधन) विनियम, 2002 के लागू होने के तुरंत बाद दिसम्बर, 2002 में आयोजित की जाएगी। जो विद्यार्थी जून, 2002 अथवा उसके पश्चात् आयोजित की जाने वाली मध्यवर्ती परीक्षा पास करते हैं और जिन विद्यार्थियों ने जून, 2002 से पूर्व मध्यवर्ती परीक्षा पास कर ली हैं, जो ऐसा विकल्प देते हैं और सभी अन्य विद्यार्थी जो दिसम्बर, 2004 से आयोजित होने वाली अंतिम परीक्षा में रहेंगे, उनकी परीक्षा इस विनियम में उल्लिखित पाठ्य विवरण के अन्तर्गत ली जाएगी। पुराने पाठ्य विवरण के अन्तर्गत अंतिम परीक्षा के चरण, प्रश्न-पत्र और पाठ्य विवरण वही रहेंगे जो कॉस्ट एण्ड वर्क्स एकाउटेंट्स(संशोधन) विनियम, 2002 के लागू होने के ठीक पहले थे। पुराने पाठ्य विवरण के अन्तर्गत आखिरी अंतिम परीक्षा, जून, 2004 में आयोजित की जाएगी।

(2) इस विनियम में उल्लिखित पाठ्य विवरण के अन्तर्गत अंतिम परीक्षा के चरण, प्रश्न-पत्र और पाठ्य विवरण निम्नानुसार रहेंगे

अंतिम परीक्षा : चरण III तथा IV

चरण- III

प्रश्न पत्र 13: प्रधालन और परियोजना प्रबंधन एवं नियंत्रण (एक प्रश्न पत्र : 3 घण्टे: 100 अंक)

खण्ड I : प्रधालन प्रबंधन (50 अंक)

(i) उत्पादन तकनीक की प्रौद्योगिकी - प्रौद्योगिकी का अर्थ और निहितार्थ, विभिन्न परिकल्पनाएं जैसे संगत प्रौद्योगिकी अथवा उचित प्रौद्योगिकी, उच्च तकनीक बनाम निम्न तकनीक, गहन पूँजी बनाम गहन श्रम, बैच प्रक्रिया। प्रौद्योगिकी पूर्वानुमान, 21वीं शताब्दी में आने वाली वस्तुओं का रूप। मशीन उपकरण प्रौद्योगिकी, उत्पादक सुविधाओं, उत्पादक उपयोगिताओं एवं विनिर्माण नीतियों समेत विनिर्माण तकनीकों के बारे में मूल विद्यार, लागत लेखा परीक्षा के अंतर्गत शामिल उद्योगों में संलग्न प्रौद्योगिकीय पहलूओं के बारे में कुछेक व्यापक विचार। विश्व स्तरीय विनिर्माता लोकशील, विनिर्माण प्रणाली, जेआईटी, एमआरपी, एमआरपी एस और आने वाली उच्च विनिर्माणीय।

उत्पादन की योजना बनाना, अनुसूचियां बनाना और निर्धारनी प्रणाली - एकीकृत उत्पादन योजना प्रणाली की संकल्पनाएं, उत्पादन योजना

और बिक्री पूर्वानुमान के बीच संबंध, खरीद योजना और परिष्कृत सामान तालिका नीति। स्टार्ट अप बैंज ओवर इत्यादि के जरिए उत्पादक सुविधाओं का उपयोग और लागत में कमी करके कार्य बढ़ाने की संकल्पना का वास्तविक अनुसूची बनाना। इस प्रयोजनार्थ उत्पादन निगरानी प्रणाली और प्रबंधन सूचना प्रणाली, उत्पादन योजना और निगरानी की नियमित समीक्षा, निर्णय सहायता प्रणाली (डी एस एस)।

(ii) **उत्पादन अर्थशास्त्र - समस्याओं का विश्लेषण करना जिनमें शामिल हैं - स्थान, बहुपारी पिंक्रियत उत्पाद, सामग्री हैंडलिंग सुविधाएं, बहुउद्दशीय संयंत्रों की उपयोगिता, उच्चलनात्मक रख-रखाव की उपयोगिता, असंतुलित क्षमता सुधार की उपयोगिता, उत्पादों की उत्तराई, उत्पादन की अवस्थाएं, उत्पादन संयंत्र, प्रक्रिया योजना, निर्धारित उत्पादन की अवस्थाएं, नियंत्रक गुणवत्ता स्तर, उत्पादन लागत पर नियंत्रण, उत्पादों का उपयोग और उनका अप्रचलन, औद्योगिकीय प्रयोग और उनका अप्रचलन, उत्पाद लागतों पर इसके उत्पादन और क्षमता उपयोगिता के कारकों की लागत के आधार पर नियंत्रण, युक्तिकरण, आधुनिकीकरण, नवीकरण और पुनरुत्थान की सहायता से क्षमता बढ़ाना। विस्तार और विकास।**

(iii) **उत्पादकता - उत्पादकता का अर्थ एवं महत्व, उत्पादकता के विपरीत निरपेक्ष उत्पादन, उत्पादकता की मापक - प्रत्येक कारक जैसे मानव, मशीन, सामग्रियों के लिए औसत और पृथक दोनों। उत्पादकता और लागत उत्पादकता, सुधार तकनीक, काल अध्ययन, उत्पादकता निगरानी के लिए कार्य का नमूना लेना और अन्य तकनीक, उत्पादकता मोल-भाव, औजार और तकनीक, उत्पादकता और कार्य प्रणालियां तथा कार्यशैली की गुणवत्ता, कार्य का मूल्यांकन और गुण-दोष श्रेणीकरण और मानव संसाधनों की उत्पादकता में इनका अनुप्रयोग। उत्पादकता के संदर्भ में लागत में कमी करना और मूल्य का विश्लेषण करना।**

बहु-पारी प्रधालनों की लागत के निहितार्थ, संयंत्र बन्द करना, संयंत्र का विस्तारण, अन्येषकों का आकुंचन, उत्पादन प्रणाली में ऑटोमेशन, उपयोगिता प्रबंधन, मशीनरी प्रतिस्थापन और प्रौद्योगिकी उन्नयन और समावेशन का वित्तीय प्रभाव।

खण्ड II - परियोजना प्रबंधन (50 अंक)

(i) **परियोजना एकीकरण एवं प्रतिपादन - दी एस आर ई डी (संतुलन, आधुनिकीकरण, प्रतिस्थापन, विस्तारण और विविधीकरण) अभियान के अंतर्गत**

विभिन्न किस्म की परियोजनाओं से संबंधित विभिन्न किस्म की जरूरतें जिसमें इनमें से प्रत्येक किस्म में निर्णय शामिल हैं। परियोजना चयन में व्यष्टि मापदण्ड, निजी, सार्वजनिक और संयुक्त क्षेत्रों की परियोजनाओं के लिए विभिन्न अभिसंस्थान। परियोजना प्रतिवादन - परियोजना की रूपरेखा, परियोजना प्रतिवेदन और विस्तृत परियोजना प्रतिवेदन तैयार करना। निवेश-पूर्व निर्णयों हेतु बोर्ड का मापदण्ड।

परियोजना मूल्यांकन - विभिन्न किस्म का मूल्यांकन - तकनीकी, आर्थिक, संगठनात्मक और प्रबंधकीय, वाणिज्यिक एवं वित्तीय - परियोजना मूल्यांकन एवं व्यवहार्यता हेतु वित्तीय तकनीक, बट्टागत नकदी प्रवाह पद्धति और गैर-बट्टागत नकदी प्रवाह पद्धति, सामाजिक लागत लाभ विश्लेषण और आर्थिक प्रतिफल दर। परियोजनाओं की गैर-वित्तीय औषित्य।

परियोजना वित्त पोषण - वित्त-पोषण का रूप, वित्त के स्रोत, कराधान का प्रभाव, सरकारी ऋण, सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों की बेशी लघु बचत, वित्तीय घाटा, विदेशी सहायता, सार्वजनिक क्षेत्र की परियोजना का वित्तपोषण। परियोजना वित्त पोषण में कर योजना की भूमिका।

(ii) **परियोजना लागत प्रणाली** - परियोजना लागत लेखा-विधि और निगरानी, ठेकेदार की नियुक्ति और उसकी समस्याएं, श्रम और उपकरण संबंधी लागत, लेखा-विधि, संहिताकरण, आंकड़ों की लागत में वृद्धि श्रम काल, रिपोर्टिंग, निर्माण कार्य की मात्रा का प्रत्यक्ष मापन, श्रम लागत विश्लेषण, उपकरण लेखा-विधि, अनुमानों की उत्पादन दर, लागत नियंत्रण, लागत नियंत्रण में कम्प्यूटर का अनुप्रयोग।

(iii) **परियोजना प्रशासन** - प्रगति भुगतान, व्यय योजना, परियोजना की समय-सूची और नेटवर्क योजना, विवेचनात्मक पथ पद्धति (सी पी एम) का प्रयोग, भुगतान कार्यक्रम और भौतिक प्रगति, काल लागत ट्रेड ऑफ, नकदी प्रवाह की तैयारी, नकदी का पूर्णानुमान और निधि और अन्य संसाधनों की निगरानी, एक प्रशासन के अंतर्गत परियोजना-समूहों का नियंत्रण और संसाधनों की भागीदारी से जुड़ी समस्याएं।

परियोजना-मूल्यांकन और समीक्षा तकनीक (पीईआरटी) की संकल्पनाएं और अनुप्रयोग, काल फलन के रूप में लागत, परियोजना मूल्यांकन और समीक्षा तकनीक/लागत तंत्र/परियोजना मूल्यांकन और समीक्षा तकनीक/लागत संबंधी बजट बनाने में लेखपाल की भूमिका। न्यूनतम लागत अवधि का निर्धारण। परियोजना पश्चात् मूल्यांकन।

प्रश्न-पत्र 14: उच्च वित्तीय प्रबंधन एवं अंतर्राष्ट्रीय वित्त (एक प्रश्न पत्र : 3 घण्टे : 100 अंक)

(i) **योजना परिवेश** - वित्तीय उद्देश्य, वित्त-पोषण संबंधी नीतियां, निवेश और लाभांश, वित्तीय पूर्वानुमान, योजना और अनिश्चितता, व्याज दरें, मुद्रा-स्फीति, पूंजीगत लाभ और हानियां, मुद्रा विनियम नियंत्रण विनियम, सरकारी ऋण संबंधी नीतियां एवं

प्रोत्साहन, उत्पादन संबंधी आंकड़े, कीमत सूचकांक, श्रम, प्रकाशित सांख्यिकीय आंकड़ों पर आधारित पूंजी बाजार।

(ii) **वित्त (राष्ट्रीय) के स्रोत - मध्यम एवं दीर्घावधि, जोखिम पूंजी, मूल पूंजी, इक्विटी अधिमान, परिवर्तनीय और संचयी अधिमानी शेयर, परिवर्तनीय डिबेंशर, भाषा क्रय, बट्टे में देना, सार्वजनिक जमा राशियां और संस्थागत वित्त जीवन बीमा निगम, यूनिट फ्रेस्ट ऑफ इंडिया, भारतीय औद्योगिक वित्त निगम, भारतीय औद्योगिक ऋण एवं निवेश निगम, राष्ट्रीय औद्योगिक विकास निगम, भारतीय औद्योगिक विकास बैंक, भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक (सिस्ट्री), राज्य वित्त निगम, (एस एफ एस), भारतीय औद्योगिक निवेश बैंक लिं।**

आंतरिक स्रोत, घारित आय, उपबंध इत्यादि। वित्त जुटाने में इश्यू संगठन का कानूनी रूप, कम्पनी अधिनियम के उपबंध, पूंजीगत इश्यू पर नियंत्रण। अत्पकालिक स्रोत: व्यापार ऋण, फैक्टरी निर्माण, विनियम पत्र, बैंक ऋण, नकदी ऋण, ओवरड्राफ्ट, सार्वजनिक जमा, सेबी विनियम, प्राथमिक और गैरी बाजार।

वित्त के स्रोत (अंतर्राष्ट्रीय) - विदेशी बाजारों में धन जुटाना और विदेशी परियोजनाओं में निवेश करना, विनियम दर - अंतर्राष्ट्रीय वित्तीय प्रचालनों में शामिल जोखिम एजेसियों और अपनाई गई क्रिया-विधि - व्यापार संतुलन और भुगतान संतुलन की संकल्पनाएं।

(iii) **प्रधालन और वित्तीय उत्तोलन विश्लेषण** - उत्तोलन प्रधालन जोखिम और वित्तीय जोखिम की संकल्पना एवं प्रकृति, प्रधालन उत्तोलन, वित्तीय उत्तोलन और संयुक्त उत्तोलन - संकल्पनाएं, उपाय और उनकी व्याख्या। प्रधालन उत्तोलन और लागत मात्रा लाभ विश्लेषण - व्याज और कर पूर्व आय (ई बी आई टी) और प्रति शेयर आय (ईपीएस), उदासीन बिन्दु।

पूंजी संरचना सिद्धांत और योजना - पूंजी संरचना और इसका परिमाप संकल्पना, वित्तीय संरचना और पूंजी संरचना- सरल और मिश्रित, पूंजी संरचना के सिद्धांत - शुद्ध आय दृष्टिकोण, शुद्ध प्रधालन आय दृष्टिकोण, परम्परागत और मिलर तथा मोदीगिलयानी दृष्टिकोण और उनकी समालोचना। पूंजी संरचना योजना के कारक, भारत में निजी और सरकारी क्षेत्रों में पूंजी संरचना की प्रवृत्ति।

पूंजी लागत - इसका स्वरूप और अर्थ, वित्तीय निर्णयों में पूंजी लागत की संगतता, विशिष्ट लागत का परिणामन, भार अयन, पूंजी की औसत लागत और सीमांत लागत, निगम कर और पूंजी लागत पर इसका प्रभाव।

(iv) पूर्जीगत बनाना और पूर्जीगत उपयोगिता और व्यवहारिता विश्लेषण में समय अंतराल का प्रभाव - पे बैक अर्थात्, संवेदनशील विश्लेषण समेत वर्तमान मूल्य और आंतरिक आय दर, पूर्जीगत बजट की सीमाएं। पूर्जी लागत का निर्धारण - अनिश्चितता का जोखिम, पोर्ट्स कार्टेकस्ट्स केपिटल इसेट प्राइसिंग मॉडल (सी ए पी एम) में जोखिम और आय, मुद्रास्फीति, पट्टा बना क्रय, आय कर, त्वरित लागत वसूली प्रणाली के लाभ (मूल्य छास की उच्च दर), निवेश ऋण।

कार्यशील पूर्जी प्रबंधन - प्रचालन चक्र संकल्पना, पूर्वानुमान, कार्यशील पूर्जी को जल्दत, वित्तीय चालू परिस्मतियों की कार्य योजना, कार्यशील पूर्जी और मियादी ऋण, सरकारी विनियमन, विभिन्न संघटकों का उच्च निगरानी प्रबंधन, मुद्रास्फीति के तहत कार्यशील पूर्जी प्रबंधन, नवीन परियोजनाएं, कार्यशील पूर्जी प्रबंधन।

वित्तीय सेवाएं - मुद्रा बाजार, पूर्जी बाजार, बैंक-ऋण इत्यादि के कार्य। मर्चेट बैंकिंग, पट्टे पर देना, भाषा क्रय, नकदी क्रय और फैक्ट्री निर्माण।

(v) **उच्च वित्तीय विश्लेषण और योजना** - वित्तीय विवरण, वित्तीय अनुपात विश्लेषण, निधि प्रवाह और नकद प्रवाह विश्लेषण, उत्तोलन, लागत-मात्रा लाभ विश्लेषण, वित्तीय पूर्वानुमान, अंतर-फर्म तुलना, वित्तीय विश्लेषण और मुद्रास्फीति पहलू।

लाभांश और प्रतिधारण नीतियां - लाभांश नीति बनाना, विचारणीय कारण, लाभांश के सिद्धांत - साल्टर का प्रतिमान, मोर्डन का प्रतिमान, लाभांश का अवशेष सिद्धांत, मिलर और मोर्डीग्लीयानी की परिकल्पना। सामान्य तौर पर निजी और सरकारी क्षेत्र में भारत की स्थिति।

सरकारी क्षेत्र में वित्तीय प्रबंधन - सरकारी क्षेत्र में प्राप्त लेखाओं और माल-सूचियों का प्रबंधन, एकक, सरकारी क्षेत्र की इकाईयों की निधियों के स्रोत - ऋणों की लागत, इक्विटी लागत, प्रतिधारित आय की लागत और ऋण इक्विटी अनुपात, पूर्जीगत व्यय का मूल्यांकन और नियंत्रण - नकद प्रवाह का निर्धारण और लागत-लाभ विश्लेषण, सरकारी उद्यमों की कीमत संबंधी नीति परियोजना निर्माण और क्रियान्वयन, सामाजिक लागत लाभ विश्लेषण।

सामयिक विकास - डब्ल्यू, गैट, निगम अभियासन - यूके की कैंबरी, ग्रीनबेरी और हैम्पल समिति की सिफारिशें, पाटनरोधी नियम, ट्रिप्स, ट्रिस्स, कॉमीशनरेशट और पेटेंट कानून और समय समय पर यथा संशोधित सेबी विनियम समेत वर्तमान विकास।

(vi) **अंतर्राष्ट्रीय वित्त और जोखिम प्रबंधन** - राजनीतिक जोखिम, धोखाधड़ी को कम करना (अर्थात् धोखा-धड़ी नीति संबंधी विवरण), प्रभावी भर्ती नीतियां और उत्तम आंतरिक नियंत्रण खासकर खरीद और नकदी पर, जोखिम का विविधीकरण, व्याज दर जोखिम के प्रयोग समेत व्याज दर जोखिम का प्रबंध। वायदा दर करार और व्याज

दर गारंटी। कैप्स प्रदर्शित करने हेतु सरल रेखांकित्र का प्रयोग करते हुए व्याज के विकल्पों की व्याख्या। सीदा, भाषान्तर और आर्थिक जोखिम, समान व्याज दर, समान क्रय शक्ति और विनियम प्रभाव। प्रत्यक्ष विदेशी निवेश।

वायदा संविदा और मुद्रा बाजार हेज। मुद्रा के लक्षण और विकल्प। मुद्रा जोखिम और विकल्प। मुद्रा जोखिम और आंतरिक हेजिंग तकनीक। अन्य वर्तमान अंतर्राष्ट्रीय वित्त संबंधी मुद्रे।

प्रश्न पत्र 15 : कार्य योजना प्रबंधन और विपणन (एक प्रश्न पत्र : 3 घण्टे : 100 अंक)

(i) **योजना परिवेश अर्थशास्त्र** - पूर्वानुमान प्रवृत्ति और परिवर्तन - सामाजिक, राजनीतिक, कानूनी और प्रौद्योगिकीय प्रभाव। वितरण माध्यम और प्रतिस्पर्धी शक्तियां। सरकार की नीतियां, आर्थिक और सरकारी व्यय। सरकारी और निजी क्षेत्र में निवेश। अंतर्राष्ट्रीय व्यापार कीमतें और क्षमता विस्तार, नवीन उद्योगों, सहायक कम्पनियां तथा प्रतिस्थापनों के लिए सरकारी नीतियां, मुद्रास्फीति नियंत्रण में सरकार की भूमिका।

(ii) **कार्य योजनाएं** - निगम योजना, दीर्घावधि योजना, व्यापार नीति योजना, कार्य योजना और कार्य योजना प्रबंधन का अर्थ एवं निहितार्थ, कार्य योजना विकसित करने की प्रक्रियाएं - मिशन की परिभाषा, निगम के उद्देश्य - (लाभ अंतराल, बिक्री अंतराल, जोखिम अंतराल) और अन्य कार्य योजनाएं, एस डब्ल्यू ओ टी (शक्ति, दुर्बलता, अवसर और आशंकाएं) विश्लेषण, लक्ष्य बिक्री कार्ययोजना निर्माण और क्रियान्वयन, निगरानी तंत्र, गतिरोध बनाम विकास कार्ययोजनाएं, अधिग्रहण और विलयन कार्ययोजना, भारत और विदेशों दोनों में संयुक्त उद्यम कार्य योजना। निगम कार्ययोजना के एक भाग के रूप में विपणन कार्ययोजना, मुद्रास्फीति के अंतर्गत विकास और शेयर धारक का संरक्षण, वास्तविक पूर्जी। वित्तीय उद्देश्य, गैर-वित्तीय उद्देश्य, संसाधन विश्लेषण और मूल्यांकन।

(iii) **नमूना निर्माण और नमूने** - नमूनों, डेल्फी नमूना, इकोनोमेट्रिक, गणितीय कार्यक्रम, बजटीय और हयुरिष्टिक नमूना के विकास की कार्ययोजना। संवेदनशीलता विश्लेषण और इस नमूने की विशेषताएं। नमूना निर्माण बनाम अनुलेपण तकनीकी की सीमाएं। जीवन बक्स, पोर्टर जेनेरिक कार्ययोजना, औसोज्स नमूना, बीसीजी मैट्रिक्स और अन्य नमूने।

(iv) **विपणन की बुनियादी संकल्पनाएं** - उत्पादोन्मुखी बना विपणनोन्मुखी, विपणन के उद्देश्य, मिश्रित विपणन का ढांचा और प्रबंधन कार्ययोजना और

विषयन कार्ययोजना - अग्र एवं पश्च दोनों के बीच अनुबंधन।

अनुसंधान और आसूजना - विषयन संबंधी निर्णय लेने, बाजार शेयरों के लिए अपेक्षित सूचना प्राप्त करने की तकनीकों के खोज।

(v) विषयन में नियंत्रण अथवा प्रबंधन लेखा-विधि का अनुप्रयोग - विषयन लागत और लाभप्रदता का विश्लेषण, कीमत संबंधी नीतियाँ और कार्ययोजनाएँ, विषयन में बजटीय नियंत्रण, बिक्री कार्यकलापों का मूल्यांकन और नियंत्रण।

वितरण विश्लेषण और उत्पादन-लाइन लाभप्रदता विश्लेषण, उत्पाद रिवैर्सिंग समेत उत्पाद युक्तिकरण, उत्पाद की रेंज का विस्तारण, उत्पाद समापना, नव उत्पाद की शुरुआत। अनुसंधान सूचना का मूल्यांकन - पूर्ण, अपूर्ण एवं बेज का प्रमेय।

प्रश्न पत्र: 16 कर प्रबंधन कार्य योजना (एक प्रश्न पत्र: 3 घण्टे : 100 अंक)

(i) प्रत्यक्ष कर योजना - कर योजना बनाम कर ठंडन, कर प्रबंधन, योजना में कर के निहितार्थ, व्यवसाय एकक, फर्म, प्राइवेट लिमिटेड कम्पनी और पब्लिक लिमिटेड कम्पनी की कानूनी स्थिति। विभिन्न आय श्रीपांत्रिकों के संबंध में कर योजना। अंतर्राष्ट्रीय संयुक्त उद्यम में कर निहितार्थ।

विलयन और सुमालेन के कर पहलू।
नव औद्योगिक प्रतिष्ठान और कर योजना।

(ii) विशिष्ट प्रबंधन निर्णयों के संबंध में कर विधार जैसे - (1) निर्माण अथवा क्रय, (2) निजी अथवा पट्टा, (3) प्रति-धारण अथवा प्रतिस्थापन, (4) रक्षण की परम्परत अथवा वापसी, (5) नियात अथवा स्थानीय बिक्री, (6) बन्द करना अथवा जारी रखना, (7) विस्तारण अथवा संकुचन (8) विलयन अथवा अधिग्रहण, (9) नव पूँजी निवेश, कर छूट, अध्याय छृं के अंतर्गत विभिन्न कटीतियाँ।

(iii) कर प्रोत्साहन और नियात संवर्धन।

निवेशों के कर पहलू।

पूँजीगत संरचना विकसित करने में कर निहितार्थ और

(क) लघु अवधि ऋण (ख) जनता से जमा राशियाँ
(ग) मियादी ऋण (घ) बोनस संबंधी मुद्दे
(ङ.) लाभांश नीति

(iv) सम्पत्ति कर योजना - निजी, कम्पनियाँ, इत्यादि और कर योजना।

(v) अप्रत्यक्ष कर योजना - निम्न के संबंध में कर योजना और कर प्रबंधन के विभिन्न पहलू:-

(क) केन्द्रीय उत्पाद शुल्क अधिनियम,

(ख) सीमा शुल्क अधिनियम,
(ग) बिक्री कर अधिनियम।

चरण iv

प्रश्न पत्र 17 : प्रबंधन लेखा-विधि - निर्णय लेना (एक प्रश्न पत्र : 3 घण्टे : 100 अंक)

(i) निर्णय लेने में बुनियादी संकल्पनाएँ - संगत लागत और लाभ, संयुक्त लागत आर्बटन और उभयनिष्ट लागत, गुणात्मक कारक, मिश्रित बिक्रियाँ, मात्रा, बाजार का आकार और बाजार इस्सा प्रसरण। कीमत अंतरण, तयशुदा कीमत, दोहरी कीमत, बाह्य कीमत कार्ययोजनाएँ - प्रीमियम कीमत - कर, मुद्रा, प्रभावी कीमत, बाजार स्किर्मींग घाटा संकेतक बिन्दु, उत्पाद विविधिकरण, अंतर्राष्ट्रीय अंतरण कीमत - कराधान, मुद्रा, निधियों का प्रेषण। लाभ में बढ़ोत्तरी, पादेटो विश्लेषण, ज्ञोखिम और अनिश्चितता, निर्णय वृक्ष, सीख ब्रक, वैकल्पिक लागत प्रणाली, निर्णय लेने में प्रचालन अनुसंधान तकनीकों का अनुप्रयोग (लिनियर प्रोग्रामिंग, परिवहन, अनुस्मण, पीईआरटी, सीपीएम इत्यादि)

(ii) लागत और लेखा-विधि प्रणाली - सक्रियता आधारित लागत और सक्रियता आधारित प्रबंधन, ग्राहक सामग्रदता विश्लेषण, प्रत्यक्ष उत्पाद लाभप्रदता, जस्ट-इन-टाइम एप्झ बैक फ्लश लेखा-विधि, अवरोध और थ्रोपूट लेखा-विधि का सिद्धांत, वैकल्पिक लागत प्रणाली के व्यावहारिक पहलू, लक्ष्य लागत, जीवन चक्र लागत, पैरामीट्रिक लागत नियंत्रण।

(iii) निवेश मूल्यांकन - पूँजीगत बजट निर्माण प्रक्रिया, निवेश मूल्यांकन तकनीक - पे बैक, डिस्काउन्टेड पे बैक, प्रति-फेल की लेखा-विधि दर, शुद्ध वर्तमान मूल्य, आई आर आर, लाभ-लागत अनुपात।

वि. प्रभागीय निष्पादन - निवेश पर प्रतिफल, अवशेष आय। पूरा करने के पश्चात मूल्यांकन

प्रश्न पत्र 18: प्रबंध लेखा-विधि - वित्तीय कार्ययोजना और रिपोर्टिंग (एक प्रश्न पत्र: 3 घण्टे : 100 अंक)

(i) वित्तीय कार्ययोजना निर्माण - मूल्यों अर्थात् मुद्रास्फीति, मात्रा, मार्जिन और सेमावनाओं, अनुमानित मूल्यों और संयोगशील विश्लेषण में प्रत्याशित परिवर्तनों के आधार पर नकदी प्रवाह पूर्वानुभान और अन्य वित्तीय विवरणों के नमूने बनाना। भाषा क्रय और पट्टेदारी।

(ii) **आय और पूँजी की भाष - लाभ मापन की समस्याएं और परिसम्पत्ति मूल्यांकन के प्रति वैकल्पिक दृष्टिकोण सब्सटान्स ओवर फोर्म का सिद्धांत ।**

सुनाम, अमूर्त परिसम्पत्ति और मूर्त परिसम्पत्ति व्यवहार लेखा-विधि ।
मद्रास्फीति और वित्तीय विवरणों पर इसका प्रभाव ।
नियम परिसम्पत्तियों, ब्राष्टों और सुनाम की क्षति
सामग्री और प्रासंगित देयता और प्रासंगित परिसम्पत्तियाँ

विदेशों में सहायक कम्पनियों में विदेशी सौदों और निवेशों को शामिल करने के लिए विदेशी मुद्रा हस्तान्तरण ।

(iii) **वित्तीय विवरणों का विश्लेषण - निगम के रिपोर्टों के विश्लेषण द्वारा वित्तीय विवरणों के निर्वचन के बारे में उच्च विषय ।**
निष्पादन, लाभप्रदता, वित्तीय स्वीकार्यता, तरलता, सक्रियता और व्यवसाय बढ़ाने, खण्डीय विश्लेषण के क्षेत्रों में अनुपात, अंतर फर्म की तुलना ।

(iv) **उच्च निवेश मूल्यांकन - पूँजी निवेश वास्तविक विकल्प (अर्थात् फोलो-ऑन निवेश करने का विकल्प, ऐसा विकल्प जिसका परित्याग और प्रतीक्षा किया जा सकता है) भारित औसत पूँजीगत लागत और इसका उपयोग, पूँजीगत संरचना में होने वाले परिवर्तनों के लिए उद्धृत एसीसी का समायोजन । विभाज्य और अविभाज्य परियोजनाओं के लिए एकल अवधि पूँजी राशनिंग ।**

(v) **पूँजीगत परिसम्पत्ति कीमत नमूना (सीएपीएम) - अंतररपणन कीमत सिद्धांत के उच्च पहलू निश्चितता समान पद्धति का प्रयोग करते हुए जोखिम समायोजन, व्यवहार में निवेश नियंत्रण ।**

(vi) **वित्तीय विश्लेषण और रिपोर्टिंग - प्रकटन, उत्पादकता और लाभप्रदता की रिपोर्टिंग, निष्पादन मापन । विकास रपोर्ट । वित्तीय विश्लेषण और रिपोर्टिंग में भौजूदा मुद्रे ।**

प्रश्न पत्र 19 : लागत लेखा परीक्षा और प्रबंधन लेखा परीक्षा (एक प्रश्न पत्र : 3 घण्टे : 100 अंक)

उद्देश्य : उस ज्ञान पिण्ड को अध्ययन प्रदान करना जिसमें योजना और लागत एवं प्रबंधन लेखा-परीक्षा समनुदेशन निष्पादन ।

छान्ड 1 : लागत लेखा परीक्षा (50 अंक)

(i) कम्पनी अधिनियम के अंतर्गत लागत लेखा विधि अभिलेखों के रूप-रूपाव बंधी उपबंध, सहकारी समिति अधिनियम, सीमा शुल्क और उत्पाद शुल्क अधिनियम, उद्धृत टी ओ, पाटनरोधी प्रक्रिया, निर्यात-आयात नीति और रूपण उद्योग अधिनियम (ऐस आई सी ए) इत्यादि का अभिलेखन और लेखा-परीक्षा अनुपालन ।

(ii) **लेखा परीक्षा की प्रकृति, उद्देश्य और कार्य क्षेत्र - निपुण लेखा परीक्षा, उपयुक्त लेखा परीक्षा, प्रबंधन लेखा-परीक्षा और सामाजिक लेखा-परीक्षा ।**

(iii) लागत लेखा परीक्षक की नियुक्ति - नियुक्ति की प्रक्रिया, उसके अधिकार, दायित्व, हैसियत, संबंधी और देयता-कम्पनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1), कॉर्ट एण्ड वर्कर्स एकाउन्टेंट्स

अधिनियम, 1956 *(1959 का 23) के अंतर्गत व्यावसायिक और कानूनी ।

(iv) **लेखा-परीक्षा की योजना - उद्योग, संगठन, उत्पादन प्रक्रिया प्रणाली और क्रिया-विधियों की जानकारी, अभिलेखों और रिपोर्टों की सूची लेखा-परीक्षा कार्यक्रम की तैयारी ।**

(v) **अभिलेखों और रिपोर्टों का सत्यापन - सांख्यिकीय नमूना पद्धति की उपयोगिता - लागत लेखा-विधि (अभिलेख) नियमावली के अंतर्गत रखे गए निष्पादन और विवरणों का सत्यापन ।**

(vi) **आंतरिक नियंत्रण प्रणाली का मूल्यांकन - बजटीय नियंत्रण, क्षमता उपयोगिता, माल सूची नियंत्रण, प्रबंधन सूचना प्रणाली ।**

(vii) **आंतरिक लेखा परीक्षा कार्य की उपयोगिता का मूल्यांकन ।**

(viii) **लेखा परीक्षा टिप्पणियाँ और कार्यशील कागजात - प्रबंधन की लेखा परीक्षा रिपोर्ट ।**

(ix) **लागत लेखा परीक्षा रिपोर्ट - रिपोर्ट का सार, रिपोर्ट की टिप्पणियों और विशेषताओं के बीच अंतर ।**
लागत लेखा परीक्षक के अभिमत और निष्कर्ष ।

(x) **व्यावसायिक नीतिशास्त्र और आचार संहिता ।**

(xi) **साधारण वित्तीय लेखा परीक्षक, आंतरिक लेखा-परीक्षक और साधारण वित्तीय लेखा परीक्षक के बीच संबंध ।**

(xii) **कम्पनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा 209 की उप-धारा (1) के उपबंध (घ) के अंतर्गत लागत लेखा-विधि (अभिलेख) नियमावली (परीक्षा से एक वर्ष पूर्व जारी) और धारा 233-ख के अंतर्गत जारी लागत लेखा-परीक्षा(रिपोर्ट) नियमावली । शामिल उद्योगों पर लागू अनुबंध और प्रपत्र समेत नियमों का विश्लेषणात्मक अध्ययन ।**

(xiii) **सरकार द्वारा लागत लेखा-परीक्षा रिपोर्ट की समीक्षा उद्देश्य, पद्धतियाँ, अनुवर्ती कार्यवाई और सरकारी कम्पनी द्वारा लागत लेखा-परीक्षा रिपोर्टों का निपटान तथा लागत लेखा परीक्षा रिपोर्टों के अन्य अंतिम प्रयोक्ता ।**

(xiv) **सदस्यों, संसद और सामान्य जनता को सूचना के प्रकटीकरण के विशेष संदर्भ में लेखा परीक्षा और वित्तीय लेखा परीक्षा के बीच तुलनात्मक अध्ययन ।**

(xv) **कम्पनियों और लागत लेखा परीक्षकों के लिए अर्थदण्ड का प्रावधान ।**

(xvi) **अनुशासनात्मक कार्यवाहियाँ ।**

छान्ड-II अन्य सेवाओं से जुड़ा प्रबंधन लेखा परीक्षा (50 अंक)

क. प्रबंधन लेखा परीक्षा

- (i) अर्थ, प्रकृति एवं कार्यक्षेत्र, प्रबंधन लेखा परीक्षा और अन्य लेखा परीक्षा क्रियाविधियों के अलावा इसके क्षेत्रों के लिए संगठनात्मक जरूरत ।
- (ii) प्रबंधन प्रक्रियाओं की लेखा परीक्षा जैसे योजना, संगठन, कर्मचारीवृन्द, समन्वयन, पत्राचार, निर्देशन एवं नियंत्रण ।
- (iii) निगम की छवि एवं व्यवहारिक समस्याओं पर विशेष बल देते हुए प्रबंधन सूचना और नियंत्रण प्रणाली का मूल्यांकन ।
- (iv) निगम सेवा लेखा परीक्षा (ग्राहक सेवाएँ): उत्पाद (अनुसंधान एवं विकास) और आयात प्रतिस्थापन, ग्राहक के माध्यम (निर्यात), सीआरएम ।
- (v) निगम का विकास एवं प्रबंधन लेखा परीक्षा, प्रधालन एवं उपयुक्तता पहलू समेत ।
- (vi) विकासशील देशों के विशेष संदर्भ में व्यवसाय उद्यमों का सामाजिक लागत और लाभ ।
- (vii) प्रबंधन के सामाजिक दायित्व की लेखा परीक्षा ।
- (viii) निगम शासन और लेखा परीक्षा समितियां ।

ख. अन्य सेवाएं

- (i) प्रबंधन के अन्य सेवा क्षेत्र, विभिन्न प्रयोजनों हेतु प्रमाणन - सत्यापित किए जाने वाले अभिलेख और किए जाने वाले सुरक्षोपाय - प्रमाण-पत्रों के रूप एवं सारांश ।
- (ii) प्रबंधन, सरकार, शेयर धारकों, अन्य बाह्य अभिकरणों के सहायतार्थ लागत लेखा परीक्षा और सर्वजनिक स्वेच्छा लागत परीक्षा ।
- (iii) उत्पादकता लेखा-परीक्षा-श्रम, सामग्री और पूँजी ।
- (iv) ऊर्जा संरक्षण और पर्यावरणीय संरक्षण की लेखा परीक्षा ।
- (v) निपुणता लेखा-परीक्षा- किसी उद्यम की उप-प्रणाली की लेखा-परीक्षा ।
- (vi) समुद्र अग्नि और दुर्घटना बीमा पलिसियों के अंतर्गत नुकसान की मात्रा और मूल्यांकन ।
- (vii) बैंकों और अन्य अभिकरणों की माल-सूची की लेखा परीक्षा ।
- (viii) आई आर डी ए, बीमा अधिनियम, सी ए आर सी ।

प्रश्न-पत्र 20 : मूल्यांकन प्रबंधन एवं भागला अध्ययन (एक प्रश्न पत्र 3 घण्टे : 100 अंक)

खण्ड I -मूल्यांकन प्रबंधन (70 अंक)

- (i) **मूल्यांकन के सिद्धांत एवं तकनीकियां** - परिसम्पत्तियां मूल्यांकन आधार (अर्थात् ऐतिहासिक, प्रतिस्थापन, वसूली योग्य), आय मूल्यांकन बैग (पी/ई बहु प्रयोज्य, अन्य प्राप्ति) । नकदी प्रवाह मूल्यांकन आधार (अर्थात् डीसीएफ लाभांश प्राप्ति, लाभाश वृद्धि प्रतिरूप) ।

- (ii) अन्य मूल्यांकन आधार (अर्थात् अर्न आज्ञा व्यवस्था, अधिकतम लाभ पद्धति) । प्रत्येक मूल्यांकन पद्धति की मजबूती और कमजोरी और प्रत्येक पद्धति की उपयुक्तता ।
- (iii) व्यवसाय मूल्यांकन की निपुण बाजार परिकल्पना का अनुप्रयोग

कम्पनी के बाजार मूल्य पर परिवर्तनशील पूँजी संरचना का प्रभाव बौद्धिक पूँजी के विभिन्न रूप और मूल्यांकन की पद्धतियां । अधिग्रहण के कारण (अर्थात् सहक्रियात्मक लाभ, प्रतिस्पर्धा समाप्त करना) व्यवसाय मूल्यांकन के अनुवार अलग-अलग भागीदारों की प्राथमिकताएँ ।

- (iv) अधिग्रहण, विलयन, सममिलन के आधारों का मूल्यांकन करना ।
- (v) शेयरों, डिबेंचरों, मालसूची, ब्राण्ड और अन्य चल एवं अचल परिसम्पत्तियों एवं विभिन्न देशों का मूल्यांकन ।

खण्ड II मामले का अध्ययन (30 अंक)

- (i) निर्धारित व्यवसाय संविदा के भीतर निर्णय लेने और उसका समर्थन करने में कार्ययोजना प्रबंधन लेखा-विधि तकनीकिय का अनुप्रयोग ।
- (ii) मामले का अध्ययन अन्य अंतिम स्तर के कागजातों के आधार पर होगा और कार्रवाई पूर्वती स्तरों में पहले शामिल की गई सामग्री के आधार पर की जाएगी ।
- (iii) मामले का अध्ययन करने के लिए विद्यार्थी को किसी संस्तुत हल पर पहुँचने के लिए विभिन्न औजारों को एकीकृत करने हेतु कम संरचनात्मक स्थितियों में कार्य करने की जरूरत पड़ेगी । यह स्पष्ट है कि वह एकल ठीक उत्तर भी हो सकता है ।

किसी संभावित हल पर पहुँचने के लिए विद्यार्थी जिस प्रक्रिया का अनुप्रयोग करता है उसे संस्तुतियों से अधिक महत्वपूर्ण माना जाता है ।

मामला अध्ययन के चरण-

1. किसी संगठन की वर्तमान स्थिति की पहचान और उसका विश्लेषण ।
2. किसी संगठन को हो रही समस्याओं की पहचान और विश्लेषण ।

3. उपलब्ध व्यवहार्य कार्ययोजना का मूल्यांकन।
4. मूल्यांकन और तत्पर्यात् विशिष्ट प्रस्तावों का चयन।
5. प्रस्तावों से संबंधित प्राथमिकताओं की पहचान और मूल्यांकन।
6. वरिष्ठ प्रबंधन को प्रस्तुत करने के लिए उपयुक्त किसी प्रपत्र में सूचना तैयार कर उसे प्रस्तुत करना।

(ix) विनियम 36 में,-

(क) उप-विनियम (i) में “1 जुलाई, 1994 को अथवा उसके पश्चात् शास्त्री, अक्षरों और आंकड़ों के स्थान पर 1 जुलाई, 2002 को अथवा उसके पश्चात् शब्द, अक्षर और आंकड़े प्रतिस्थापित किए जाएंगे,

(ख) उप-विनियम (3) के स्थान पर निम्नलिखित उप-विनियम प्रतिस्थापित किया जाएगा, अर्थात् -

“(3) जिस किसी अस्थर्थी ने पाठ्य विवरण कॉर्स एंड वर्क्स एकाउटेंट्स (संशोधन) विनियमन, 2002 की शुरुआत से पहले के अंतर्गत अंतिम परीक्षा के निम्नलिखित प्रश्न-पत्रों में से किसी प्रश्न-पत्र की परीक्षा पास कर ली है अथवा उससे छूट प्राप्त कर ली है, उसे नीचे यथाइचित संशोधित पाठ्य-विवरण कॉर्स एंड वर्क्स एकाउटेंट्स (संशोधन) विनियमन, 2002 की शुरुआत के बाद के अंतर्गत अंतिम परीक्षा के सदृश्य प्रश्न-पत्रों से छूट प्रदान की जाएगी:-

पाठ्य विवरण के अंतर्गत अंतिम परीक्षा के प्रश्न-पत्र कॉर्स एंड वर्क्स एकाउटेंट्स (संशोधन) विनियमन, 2002 की शुरुआत से पहले				पाठ्य विवरण के अंतर्गत अंतिम परीक्षा के तत्संबंधी समतुल्य प्रश्न-पत्र कॉर्स एंड वर्क्स एकाउटेंट्स (संशोधन) विनियमन, 2002 की शुरुआत के बाद			
क्र.सं.	चरण	प्रश्न पत्र	विषय	चरण	प्रश्न पत्र	विषय	
1	III	सभी	-	III	सभी	-	
2	IV	सभी	-	IV	सभी		
3	III	9	उच्च विस्तीय लेखा-विषय	IV	18	प्रबंधन लेखा-विषय-विस्तीय कार्य योजना और रिपोर्टिंग	
4	IV	13	उच्च विस्तीय लेखा-विषय तकनीक एवं अनुप्रयोग	IV	17	प्रबंधन लेखा-विषय नियन्य लेना	
5	IV	14	उच्च विस्तीय लेखा-विषय	IV	14	उच्च विस्तीय प्रबंधन और आंतरिक वित्तीय	
6	IV	15	उच्च प्रबंधन लेखा-विषय - कार्य योजना प्रबंधन	III	15	कार्य योजना प्रबंधन एवं विपणन	
7	IV	16	लागत लेखा परीक्षा	IV	19	लागत लेखा परीक्षा एवं प्रबंधन लेखा परीक्षा”;	

वी.वी. दिओधर, अध्यक्ष

[विज्ञापन III/IV/71/2002/असाधारण]

टिप्पणी : मुख्य ऐग्जेक्यूटिव दिनांक 25 मई, 1950 के जी एस आर सं. 611 द्वारा भारत के राजपत्र में प्रकाशित किए गए थे और निम्न द्वारा संशोधित किए गए हैं-

1. दिनांक 8 मई, 1969 की अधिसूचना सं. सी डब्ल्यू आर (2)/89
2. दिनांक 25 मई, 1970 की अधिसूचना सं. सी डब्ल्यू आर (2)/70
3. दिनांक 22 जनवरी, 1972 की अधिसूचना सं. सी डब्ल्यू आर (2)/70
4. दिनांक 6 जनवरी, 1981 की अधिसूचना सं. सी डब्ल्यू आर (1)/81
5. दिनांक 31 जनवरी, 1989 की अधिसूचना सं. सी डब्ल्यू आर (1)/88
6. दिनांक 25 सितम्बर, 1993 की अधिसूचना सं. सी डब्ल्यू आर (1)/93

**THE INSTITUTE OF COST AND WORKS
ACCOUNTANTS OF INDIA**

NOTIFICATION

Kolkata, the 26th June, 2002

F.No.G/18-CWAI/2000/No. CWR (1) 2002.—Whereas the draft regulations further to amend the Cost and Works Accountants Regulations, 1959, were published as required by sub-section (3) of section 39 of the Cost and Works Accountants Act, 1959 (23 of 1959) in the Gazette of India, Part III, section 4 dated the 7th February, 2002 vide the Institute of Cost and Works Accountants of India Notification No. CWR (1) 2002, inviting objections and suggestions from all persons likely to be affected thereby before the expiry of 45 days of the date on which copies of the said order as published in Gazette of India were made available to the public; .

And whereas copies of the said Gazette were made available to the public on the 11th February, 2002;

And whereas the objections and suggestions received have been considered by the council.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section(1) of Section 39 of the Cost and Works Accountants Act, 1959 (23 of 1959), the Council with the approval of the Central Government hereby makes the following regulations further to amend the Cost and Works Accountants Regulations, 1959, namely:-

1. (i) These regulations may be called the Cost and Works Accountants (Amendment) Regulations, 2002.
(ii) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.
2. In the Cost and Works Accountants Regulations, 1959.—
(i) **in regulation 20A, after clause (b), the following clause shall be inserted, namely:—**
“(c) enrolled for undergoing postal or oral tuition for the Foundation Course Examination at least six months prior to the month in which such examination commences, that is to say, if an examination commences in December (after 15th of calendar year), the candidate enrolled for undergoing postal or oral coaching up to and including June 15th of that calendar year shall be eligible and he produced a certificate from the Director of Studies or Head of the Coaching Administration (by whatever name designated) to the effect that he has undergone satisfactorily a course of postal or oral tuition for the Foundation Course Examination.”.

(ii) for regulation 20B, the following regulation shall be substituted, namely:—

“20B. Fee, papers and syllabus for Foundation Course Examination: No candidate shall be admitted to Foundation Course Examination unless an application is made by him in the prescribed form along with the fee as may be fixed by the

2013GT102-2

Council from time to time but not exceeding one thousand rupees and is otherwise eligible for the examination and then he shall be examined in the following subjects:

FOUNDATION COURSE

Paper 1: Organisation and Management Fundamentals
(One Paper: 3 hours: 100 marks)

Section I: Organisation (30 marks)

(i) **Functional areas of organisation** — different organisation structures, operations of main functional areas of business, the organisation and the activities of different functions. Formal and informal organisation — principles of organisation, criteria for grouping activities.

Schools of organisation theory — classical, behavioural and systems, current trends and approaches, behaviour in organisation, role of behavioural science

Organisational management — objectives (missions, goals and targets), conflict between the objectives; appropriate strategy formulation; the determinants of culture — the different models available for categorising cultures, different models of organisational management available to achieve goal congruence

Section II — Management (70 marks)

(i) **Human resource management** — human resource plan; the human issues relating to recruitment, dismissal, retirement and redundancy. Models of human behaviour and motivation and their application (e.g. Taylor, McGregor, Maslow, Herzberg, etc); training, development and design of reward system.

(ii) **Management of relationship** — process of management covering planning, organising, staffing, directing, motivating, communicating and control, the concepts of power, authority, responsibility and delegation, the characteristics of leaders and managers; management style theories, contingency approach.

Theories of group development, behaviour and roles. The sources of conflict in organisations and the ways in which the conflict can be managed

(iii) **Management of change** — The stages in the process of management change, approaches to the management of organisational development and major cultural and structural change; the importance of managing critical period of change and the ways in which these periods can be managed effectively.

(iv) **Pattern of management** — broad policies and functions, structural pattern of the Board of Directors; concept of public sector, social objectives; public sector management. Current management thoughts.

**Paper 2: Financial Accounting Fundamentals (One Paper:
3 hours: 100 marks)**

(i) **Basics of bookkeeping and accounting** — definition and its usefulness. Financial accounting principles, concepts and convention — measurement of business income. Position Statement. Accounting Standards — national and international (basic knowledge).

System of book keeping — double entry system, books of prime entry, subsidiary books, recording of cash and bank transactions, preparation of ledger accounts.

preparation of trial balance - interpretation and usefulness.

Bank reconciliation statement — Need for reconciliation between cashbook and bank pass book and problems relating to the preparation of bank reconciliation statement.

Accounting mechanics (including computerisation.), bill of exchanges, consignment and joint venture.

(ii) Concept of capital, revenue and deferred revenue expenditure, opening entries, closing entries, adjustment entries and rectification entries, trading, manufacturing and profit and loss account and balance sheet. Bad debts and reserves for bad debts – its accounting treatment. Depreciation – its significance and accounting.

(iii) Concept of single entry vis-à-vis double entry system of accounting, their interrelationship and conversion from single entry system to double entry system. Preparation of receipts and payments accounts and income and expenditure account. Significance of reserves and provisions. Preparation of profit and loss account and balance sheet of different organisations.

(iv) **Partnership Accounts** —Admission, Retirement, Death, Dissolution.

(v) **Joint stock company accounts** — issue, forfeiture and redemption of preference shares and debentures, profits prior to incorporation and company profit and loss account and balance sheet as per provision of the Companies Act, 1956 (1 of 1956).

Paper 3: Economics and Business Fundamental (One Paper: 3 hours: 100 marks)

Section I — Economics (50 marks)

(i) **Basics of economics** — definition, scope and subject matter of economics – a few fundamental concepts like utility, wealth, factors of production, demand and supply, elasticity, equilibrium, land and the laws of diminishing returns.

Theory of employment — types of unemployment, concepts of full employment and how it can be achieved Labour and population theories, definition of capital and growth of capital, steps in capital formation.

Market forms — value under perfect competition and under imperfect competition

National Income — Gross National Product, Net National Product, measurement of national income, economic growth and fluctuations, consumption, savings and investments

Distribution — income determination and equilibrium relating to rent, wages, interest and profit

(ii) **Money** — definition and functions of money, quantity theory of money, inflation, effects of inflation on production and distribution of wealth, control of inflation, money supply, liquidity preference and managerial efficiency, rate of interest and investment.

Banking — definition, functions and utility of banking, the principles of commercial banking, multiple credit creation, essentials of a sound banking system.

Central bank — Functions, weapons of credit control and the money market.

International trade — basic features of import-export.

(iii) **National and International Financial Institutions** — Industrial Finance Corporation of India (IFCI), Industrial Credit and Investment Corporation of India (ICICI), Industrial Development Bank of India (IDBI), Export-Import Bank (EXIM), Asian Development Bank, International Monetary Fund, International Bank for Reconstruction and Development (World Bank).

Public finance — direct and indirect taxes, principles of taxation, effects of taxation on production and distribution, taxable capacity, deficit financing systems.

Section II: Business Fundamentals (50 marks)

(i) **Types of business units** — sole proprietorship, partnership, companies, co-operatives, Hindu Undivided Family, joint stock companies, public utility services and state enterprises.

Company organisation and management — types of companies — their formation, incorporation and commencement of business, memorandum of association and articles of association, prospectus, shares and debentures, Board of directors and general meetings.

Business objectives — concept and rationale of social responsibility, business and its environment, interface with legal, political, economic, social and cultural aspects.

Stock exchange and its workings — dealers and brokers' transactions, economic significance, conditions of membership, role of stock exchanges.

(ii) **Business communication and report writing** — commercial correspondence and report writing.

Paper 4: Business Mathematics and Statistics Fundamentals (One Paper: 3 hours: 100 marks)

Aim: To ensure a basic understanding a quantitative tool and their elementary application of business problems.

Level of knowledge: Basic knowledge

Arithmetic (15 marks)

Average, mixtures, computation of interest, discounting of bills, percentages, ratios and proportions.

Algebra (25 marks)

- (i) Number systems – real, imaginary, rational and irrational.
- (ii) Elementary knowledge of sets and the operations on them. Simple applications and solution by the use of Venn diagram, Truth table and its applications to statements
- (iii) Indices and surds, variation, logarithms, permutations and combinations, compound interest.
- (iv) Solution and systems of linear simultaneous equations (3 variables only). Quadratic equations, solution of linear inequalities (by geometrical method only).

Mensuration (30 marks)

Area and perimeter of triangles, circles, parallelogram, regular polygon, volume and surface of cube, prism, cylinder, pyramid, cone, frustums and spheres (including zone and segments). Plain Co-ordinate Geometry (Rectangular Cartesian coordinates only). Length of line segments, section ratio, gradient of a line, equations of straight lines, circles, parabolas, Ellipse and hyperbolae (standard forms only).

Elementary Statistics (30 marks)

Graphical presentation of statistical data, frequency distribution, measures of central tendency (mean, median, mode) measures of dispersion (range, mean deviation, standard deviation, variance), measures of skewness and kurtosis.”;

(iii) for regulation 20C, the following regulation shall be substituted, namely:—

“20C. Foundation Course Examination: (1) A candidate shall be declared to have passed in the Foundation Course Examination if he obtains at one sitting a minimum of forty per cent. of the total marks in each Paper and an aggregate of fifty per cent. of the total marks of all papers in that examination. The Council may however, vary the minimum pass marks at its discretion for any or all the examinations.

(2) Each candidate shall be individually informed of his or her result and also of the marks obtained by him in the paper or papers of the examination in which he appeared. No certificate of pass except marksheet will be issued to a candidate passing the Foundation Course Examination.

(3) Except as otherwise specifically provided in the foregoing sub-regulations, the provisions regarding conduct of examinations in regulation 36 to 43 shall, so far as may be, apply to the Foundation Course Examination.

(4) The first Foundation Course Examination under syllabus mentioned in regulation in 20 B shall be held in December 2002.”;

(iv) In regulation 30, for sub-regulation (3), the following sub-regulation shall be substituted, namely:—

“(3) No candidate shall be admitted to the Intermediate Examination unless an application is made by him in the prescribed form along with the fee as may be fixed by the Council from time to time but not exceeding one thousand five hundred rupees.”;

(v) for regulation 31, the following regulation shall be substituted, namely:—

“31. Stages, Papers and Syllabus for the Intermediate Examination under the revised syllabus:

(1)The first Intermediate Examination under the syllabus mentioned in this regulation immediately after the commencement of Cost and Works Accountants (Amendment) Regulations, 2002, shall be held in December 2002. Students registered on or after 1st July, 2002 shall, and students registered prior to 1st July, 2002,

who may so opt, shall be examined under the Syllabus mentioned in this regulation and all other students registered prior to 1st July, 2002 who are candidates for the Intermediate Examination to be held from December, 2004 shall be examined under the Syllabus mentioned in this regulation. The Stages, Papers and Syllabus for the Intermediate Examinations under old syllabus shall same as it stood immediately before the date of commencement of the Cost and Works Accountants (Amendment) Regulations, 2002. The last Intermediate Examination under the old syllabus shall be held in June 2004.

(2) The Stages, Papers and Syllabus for the Intermediate Examination under the Syllabus mentioned in this regulations shall be as follows:

STAGE - I**Paper 5: Cost and Management Accounting (One Paper: 3 hours: 100 marks)**

(i) Basics of cost and management accounting: Evolution of cost accounting and management accounting, cost concepts and cost object, cost classification, cost organisation and its relationship with other departments. Elements of cost and cost determination: Material cost – purchase procedure, store keeping and stock control, pricing issue of material and accounting thereof, perpetual inventory and physical stock taking, identification of slow, non-moving and fast moving items, ABC analysis, JIT system, level of inventories and economic order quantity, analysis, investigation and corrective steps for treatment of stock discrepancies – control through other means.

Labour costs — remuneration methods, monetary and non-monetary incentive schemes, payroll procedures, labour analysis and idle time, measurement of labour efficiency and productivity, analysis of non-productive time and its cost, labour turnover and remedial measures, treatment of idle time and overtime.

Direct expenses — nature, collection, classification and treatment of direct expenses.

(ii) Overheads — nature, collection and classification.

Production overheads — collection, apportionment, absorption, use of predetermined recovery rates, treatment of under and over absorption, fixed, variable and semi variable overhead, report for control of overhead cost.

Administration, selling and distribution overheads — analysis, accounting and control, treatment of miscellaneous items in cost accounting.

Preparation of Cost Sheet

(iii) Methods of costing

Specific order costing — job, batch and contract, determination of cost accounting in job, batch and contract, valuation of work-in-progress in job costing, features of contract costing, certification of work done, profit on incomplete contracts, cost plus contracts.

Process costing — treatment of normal and abnormal losses and gains, valuation of work-in-progress using first-in – first-out and average methods (equivalent production), inter-process transfer and pricing, concepts and accounting for joint products, by-products, waste, scrap, spoilage and defectives, research and development expenses.

Service or operating costing — unit costing and multiple costing, application identification of cost unit and cost determination and control

Cost accounting records — cost ledgers, reconciliation of cost and financial accounts; integrated accounts, basis of computerisation of accounts.

- (iv) **Marginal costing and break-even analysis** — basic concepts, marginal costing and absorption costing, cost-volume-profit analysis, break-even analysis, limitations of break-even analysis, differential cost analysis and relevant cost analysis, applications for management decision making (simple types).
- (v) **Budgetary control** — basic concepts, functional budgets and master budgets, flexible budgets.
- (vi) **Standard costing** — concepts/uses and setting of standard cost accounting methods, computation of simple cost variances, relationship of standard costing and budgetary control, possible reasons for variation in costs.
- (vii) Uniform costing, Interfirm comparison, cost reduction, value analysis/engineering including value management.
- (viii) Cash Flow and Fund Flow Analysis
- (ix) Financial Analysis and Control

Paper 6: Information Systems and Technology (One Paper: 3 hours: 100 marks)

- (i) **Basics of Information systems and technology** — various types of Information Technology hardware and software in common use. The different hardware and applications architectures (e.g. centralised, distributed, client server) available and the IT required operating them (e.g. PCs, servers, networks, peripherals). Concepts of General System's theory and their application of Information Systems. Designing data and information architectures to assist and improve planning decision, making and control. Use of information for decision making at the various levels of the organisation and the components of the Information Systems, which can support those decisions (i.e. transaction processing systems, management information system, D.S.S., executive information systems and other expert systems) Systems evaluation and the stages in the systems development life cycle. Systems testing — off-line, on-line and user-acceptance. System changeover methods. Cost benefit analysis of I.T. investment. Basics of Cyber Laws
- (ii) **Strategic Information management** — Information requirements of different organisations and at different levels of Cost-management benefit analysis for assessing value of information. Different methods of data collection. Electronic commerce and its impact on the business strategy. Knowledge management as key element. Use of data bases and planning modules in strategic planning process e.g. external database, economic models, forecasting and modelling packages / application. Strategy of information development and management on organisation structure
- (iii) **Need of an IS/IT** as complementary to the organisation strategy. Impact of IT upon an industry by utilising frameworks such as Porter's five forces and value chain. The strategic business use of the Internet and www in terms of marketing and sales activities

Business Integration — between strategy, people, technology and operations in determining role of IS/IT. Role of IT in innovation and Business Process Engineering.

Planning and implementation of IS/IT strategies — the purpose and content IS, IT and IM strategies

The social and organisational impact of IS/IT - the human information processor and the implications of providing a user friendly interface to gain maximum benefits while minimising the potential drawbacks; the growing awareness of remote working; the management of change and potential staff reactions.

- (iv) **Audit** — the process of review and audit of internal control. The major tools available to assist with such a review (e.g. audit planning, documenting systems, internal control questionnaires, sampling and testing). Internal auditor v. external auditor. Techniques available to assist audit in a computerised environment. Safety of data, evaluation of system to avoid fraud
- (v) **Computer Applications of Management Accounting & Strategic Management** — Particular Focus: Use of ERP and relational data base management system (like ORACLE). 2. Specific Application System Programmes to be chosen by the Institute every year for detailed study. Other application systems emerging from time to time to be included for general study.

Paper 7: Business Laws and Communication skill (One Paper: 3 hours: 100 marks)

Section I — Business Laws (70 marks)

- (i) **Indian legal system** — The judiciary system — Supreme Court, High Courts and other subordinate courts.
- (ii) **Essentials of Contract Act** — valid, void and voidable contracts, quasi contracts, bailment, conditions and warranties, breach of contract, damages.
- Main provisions of Sale of Goods Act
- General concepts of Negotiable Instruments Act.
- (iii) **Partnership Act** — salient features, position of minors, implied authority, dissolution.
- (iv) **The Companies Act, 1956** — definition, fundamental matters relating to formation, promoters' function, fundamental matters and general framework of documents, meetings and proceedings, management of company operations, winding up; meetings and proceedings, mismanagement and arrangements, shares and debentures, borrowing of a company, accounts and audit, appointment and powers and duties of an auditor, cost accounting records and cost audit, auditor's report and explanation, preparation and presentation of accounts of government companies and statutory corporations Corporate laws as amended from time to time
- (v) General concepts and objects of.
 - Foreign Exchange Management Act, MRTP Act, Competition related Laws
 - Payment of Bonus Act, Payment of Gratuity Act
 - Consumer Protection Act; Air, Water and Noise Pollution Act Industrial Development & Regulation Act, Industrial Dispute Act and current legislations

Section II — Communication Skill (30 marks)

Letter writing, report writing, drafting, and business communication. Letter writing, Report writing drafting and business communication: Including personnel matters like issue of show cause notice, charge sheets, letter of dismissal, discharge and other punishment; sales matter like preparation of market survey report, drafting of advertisements etc.; financial matters like correspondence with banks regarding overdraft, cash credit, account current, Insurance companies regarding settlement of claims, Post & Telegram authorities regarding concessional rate of Postage etc; Inter departmental communication like internal memos, Office Circular, office cards etc; preparation of Press releases.

Paper 8: Business Taxation (One Paper: 3 hours: 100 marks)**Section I — Direct Tax (50 marks)**

- (i) **Direct Tax laws** — A comprehensive study of the Income-tax Act, 1961; Wealth-tax Act, case laws governing capital and revenue expenditure, deemed income, residence concept.

Special problems centering on the concept of assessees, registered firm, Hindu Undivided Family, Companies, Association of persons and trust, minors, cooperatives, non-resident Indians and avoidance of double taxation.

- (ii) **Problems covering heads of income** — Salaries, perquisites, gratuity and retirement benefits, income from house property, capital gains, income from other sources, income from business and profession, problems arising from aggregation of income and set off and carry forward of losses. Computation of income and Return of Income Tax, Filing procedure

Tax audit

Tax administration — appeals, revisions, review, rectification and application to Central Board of Direct Taxes.

Acquisition proceedings — principles of valuation of movable and immovable property.

Tax incentives and export promotion, deductions under Chapter VI, other benefits and tax exemptions.

Section II — Indirect Tax (50 marks)

- (i) Indirect Tax Laws, administration and relevant procedures: —
- The Central Excise including Central Value Added Tax (CENVAT).
 - The Central Sales Tax Act, 1956 (74 of 1956);
 - The Customs Act, 1962 (52 of 1962); and
 - Excise audit.
- (ii) Assessment of Tax payable by the Assessee under Indirect Taxes
- (iii) Powers of different authorities
- (iv) Impact of tax on GATT 94, WTO, Anti Dumping processing
- (v) Tariff Commission and other Tariff authorities.

STAGE — II**Paper 9: Management Accounting - Performance Management (One Paper: 3 hours: 100 marks)**

- (i) General principles of management, management of change, pattern of management.
- (ii) Business of performance measurement and performance development e.g. Financial (ROI, RI, EPS, NPV etc.) and non-financial e.g. Balanced Scorecard. Performance appraisal in Public Sector Enterprise
- (iii) **Standard costing** — setting of standards, accounting under standard costing, costs and sales variances, reconciliation of standard costs and profits with actual; interpretation and investigation of variances — interrelationship, significance; planning and operational variances; benchmarking, behavioural aspects in budgeting and standard costing.
- (iv) **Budgeting** — planning, functional and master budgets, time series and regression; "what if" analysis, controllable and uncontrollable costs, responsibility budgeting — cost, profit and investment centres and divisional performance measurement, residual income; fixed and flexible budgeting, rolling budgets; performance, programming and zero-based budgeting, activity-based budgeting. Report to Management with suggested actions on deviations.

Principles of transfer pricing, transfer pricing systems — cost / standard costs, cost / standard cost plus, market price, market price less savings.

- (v) **Allocation of resources** — resource planning systems — MRP I, MRP II and ERP; just in time, activity-based costing, cost reduction, value analysis, total quality management.

Single, dual limiting factors for resource allocation, linear programming, transportation, Queuing and simulation problems

Multi-product CVP analysis including break-even, profit target, margin of safety, P/V ratio, break-even charts, profit-volume graphs.

Paper 10: Advanced Financial Accounting (One Paper: 3 hours: 100 marks)

- (i) **Basics of Accounting principles, concepts and conventions** — measurement of business income: in-depth study of accounting standards - national and international; US GAAP; valuation of enterprise, valuation of inventories, goodwill and shares, buy back of shares.
- (ii) **Preparation of company accounts** — amalgamation, absorption, reconstruction and capital reduction, holding companies, mergers, de-mergers, joint ventures and associates. Amalgamation of firms, Conversion of firms into company
- Branch and departmental accounts — leasing, hire purchase and instalment payments; royalty accounts - contract accounts; investment accounts.
- Preparation of accounts from incomplete records - self-balancing ledger.
- (iii) **Accounting Services in other organisations** — farm accounting, hotel accounting; accounting for non-profit

making organisations, e.g. accounting for hospital and educational organisations, accounting for local self-government – rural and urban.

Accounting for bank and insurance companies – accounting for loss of stock, loss of profit and other compensations including marine insurance claims – Electricity Company accounts. Software accounting as per IAS 2,7 and 9

- (iv) **Government accounting in India** — general principles, comparison with commercial accounting; role of the Comptroller and Auditor General of India and public accounts committee – review of accounts.

Paper 11: Auditing (One Paper: 3 hours: 100 marks)

(i) **Evolution of auditing** — major influences of auditing; nature and scope of auditing; basic concepts of auditing; role of evidence in auditing; auditing techniques and practices – generally accepted auditing standards, the concept of materiality in auditing.

(ii) **Verification of assets and liabilities** — fixed assets, investments, inventories, debtors, loans and advances, cash and bank balances, debentures and creditors, provisions for taxation, proposed dividend and gratuity – other items in the balance sheet; verification of items in the profit and loss account; contingent liabilities; disclosure of accounting policies, practice; expenditure during the period of construction; adjustments for previous year – provisions of the Companies Act, 1956 regarding accounts.

Nature of internal control, evaluation and audit of internal control - internal control questionnaires; flow chart; systems audit, internal control.

Auditing-in-depth — statistical sampling in auditing. Use of ratios and percentages for comparison and analysis trends - inter-firm and intra-firm comparison.

(iii) **Appointment of statutory auditors** — auditors' remuneration, removal, rights of statutory auditors, duties of statutory auditors, joint auditors, branch audits.

Audit report — report versus certificate, contents of the reports, qualifications in the report.

Divisible profits — relevant provisions of the Companies Act, 1956 and the Income-tax Act, 1961.

Interface between statutory auditor and internal auditor.

(iv) **Nature and scope of internal auditing** — financial versus operational audit; concepts of efficiency audit, propriety audit, voucher audit, compliance audit, pre and post audits.

Impact of the Manufacturing and Other Companies (Auditors' Report) Order, 1988 on the internal auditing functions.

Organisation of the internal auditing function - selection and training of staff-assignment of audit projects organisational status of the internal auditing functions; scope for audit committees.

Planning the internal audit project: familiarisation; preparing checklist, internal control questionnaires, audit programmes.

(v) **Verification of evidence** — detailed checking versus sampling plans, statistical sampling as used in internal auditing, flow chart techniques.

Internal control — nature and scope, internal auditor and internal controls

Field work — collecting evidences, interviews; memoranda.

Audit notes and working papers.

Audit reports - techniques of effective reporting; follow up of audit report.

Summary reports of top management.

Communications in internal auditing - improving auditor-auditee relationship.

(vi) **Auditing the operations functions of an enterprise** — accounting and finance, inventory control, procurement, production, marketing, maintenance, personnel, branches and depots; research and development. Information systems audit, Internal Auditor and the investigation of frauds Auditing the internal auditing function.

(vii) Audit of accounts prepared as per US GAAP.

(viii) Secretarial Audit-checklist, contents of memorandum of Association and articles of association. Issue of shares, Right issue, Registers maintained

Paper 12: Quantitative Methods (One Paper: 3 hours: 100 marks)

Mathematical Techniques (40 marks)

Algebra of vectors and matrices and determinants: Addition, subtraction, multiplication and inversion of vectors and matrices. solution of systems of linear equations with the help of matrix algebra.

Calculus: Variables, constants and functions – graphs of functions – limits of algebraic functions, simple differentiation of algebraic function – meaning of derivatives – evaluation of first and second order derivatives, partial differentiation, solution of problems involving maxima and minima of algebraic functions.

Integration (by substitution and by parts): Determining indefinite and definite integrals for simple functions - application of integration to evaluate areas and volume of solids and revolution.

Optimisation of functions under constraints, Linear programming and simplex method of solution; other operations research methods e.g. games theory, simulation, transportation, queuing, etc.

Statistical Techniques (30 marks)

Probabilities — meaning and definition of probability, mutually exclusive and collectively exhausting events, repeated trials, combinatorial analysis. Addition and multiplication rules. Bayes theorem and its application.

Population and samples — sampling methods, uses of random numbers, simulated sampling, concept of sampling distribution and standard errors, confidence intervals for means and percentages, testing hypothesis and uses of Z , t , chi-square tests.

Decision making under risks and uncertainty: decision tree analysis

Simple regression and correlation.

Economic Techniques (30 marks)

Demand analysis — the basis of demand, market demand function, industry demand versus firm's demand; the demand curve; relation between demand function and demand curve; change and shift in demand; demand relation and managerial decisions; theory of consumer behaviour; substitution and income effects; price, income and cross elasticities of demand, other demand elasticities; time impact on elasticity, price elasticity for derived products, revenue concepts; demand estimation

Forecasting — forecasting methodologies. Time series analysis, trend projection, barometric or leading indicator method; index number analysis — composite and diffusion indices Econometric models, curve fitting and least square methods; correlation and regression analysis, multiple and

partial correlation - input-output analysis; forecasting with input-output tables, criteria for forecasting demand for existing and new products.

Empirical production function analysis, empirical cost analysis, short and long run cost estimation, factor demand, joint product and multi-product, factor demand, joint product and multi-product firm, uncertainty in production function, profit planning under risk and uncertainty.”;

(vi) in regulation 32, -

(a) in sub-regulation (1), for the words, letters and figures, “on or after 1st July, 1994”, the words, letters and figures “on or after 1st July, 2002” shall be substituted;

(b) for sub regulation (3), the following sub-regulation shall be substituted, namely:-

“(3) As a transitional measure the following exemptions may be allowed:

Any candidate who is registered prior to 1st July, 2002 and yet to pass the Intermediate Examination but who has passed or obtained exemption from any of the following Papers be exempted from the corresponding Papers of Intermediate Examination under the syllabus mentioned in this regulations as indicated below.

Papers of Intermediate Examination before the commencement of the Cost and Works Accountants (Amendment) Regulations, 2002				Corresponding equivalent Papers of Intermediate Examination after the commencement of the Cost and Works Accountants (Amendment) Regulations, 2002		
SL	STAGE	PAPER	SUBJECT	STAGE	PAPER	SUBJECT
1	I	ALL		I	ALL	
2	II	ALL		II	ALL	
3	I	1	Financial Accounting	II	10	Advanced Financial Accounting
4	I	2	Cost Accounting	I	2	Cost & Management Accounting
5	I	3	Corporate Laws & Secretarial Practice	I	7	Business Laws and Communication Skill
6	II	5	Cost & Management Accounting	II	9	Management Accounting – Performance Management
7	II	6	Auditing	II	11	Auditing
8	II	8	Quantitative Methods	II	12	Quantitative Methods

(vii) In regulation 33, for sub-regulation (3), the following sub-regulation shall be substituted, namely:—

“(3) No candidate shall be admitted to Final Examination unless an application is made by him in the prescribed form along with the fee as may be fixed by the Council from time to time but not exceeding two thousand rupees.”;

(viii) for regulation 34, the following regulation shall be substituted, namely:—

“34. Stages, Papers and Syllabus for the Final Examination under the Revised Syllabus:

(1) The First Final examination under the Syllabus mentioned in this regulation immediately after the commencement of the Cost and Works Accountants (Amendment) Regulations, 2002 shall be held in December 2002. Students who may pass the Intermediate Examination to be held in June 2002 or later shall, and students who have passed the Intermediate Examination prior to June 2002, who may opt so, shall and all other students appearing at the Final examination to be held from December 2004, shall be examined under the Syllabus mentioned in this regulation. The Stages, Papers and Syllabus for the Final examination under old syllabus shall be same as it stood immediately before the date of commencement of the Cost

and Works Accountants (Amendment) Regulations, 2002. The last Final Examination under the old syllabus shall be held in June 2004.

(2) The Stages, Papers and Syllabus for Final Examination under the Syllabus mentioned in this regulations shall be as follows.

FINAL EXAMINATION: STAGE III AND IV

STAGE - III

Paper 13: Operations and Project Management and Control (One Paper: 3 hours: 100 marks)

Section I: Operations Management (50 marks)

(i) **Technology of production techniques** — meaning and implication of technology, different concepts like relevant technology or appropriate technology, high-tech versus low-tech, capital intensive versus labour-intensive, batch process. Technology forecasting, shape of things to come in 21st century. Basic ideas regarding manufacturing techniques including machine tools process technology, productive facilities, productive utilities and manufacturing policies, some broad ideas about the technological aspects involved in the industries covered under the cost audit World-class manufacturers flexible manufacturing systems, JIT, MRPI, MRPII and advanced systems to come.

Production planning, scheduling and monitoring system — the concept of integrated production planning system, linkage between production planning and sales forecasting, procurement planning and finished goods inventory policy. Actual scheduling of jobs optimisation concept in terms of productive facilities utilisation and cost minimisation through start up change over, etc. Production monitoring system and Management Information System for this purpose, regular review of production planning and monitoring, Decision Support System (DSS).

- (ii) **Production Economics** — analysis of problems involving location, multishifts, product mix, material handling facilities, utilisation of multipurpose plants, utilisation of preventive maintenance, utilisation of capacity rectification of unbalanced capacity, off loading of products, stages of production, product plant, process planning, scheduled production stages, controlling quality level, controlling of output costs, products usage and its obsolescence, technological usage and its obsolescence, control of output costs on the basis of its cost of factors of production and utilisation of capacities, scaling of capacity with the help of rationalisation, modernisation, revamping and renovation. Expansion and growth.
- (iii) **Productivity** — meaning and significance of productivity, productivity *vis-à-vis* absolute production, measurement of productivity — both overall and separately for each factor like man, machine, materials. Productivity and cost productivity, improvement techniques, time study, work sampling and other techniques for productivity monitoring, productivity bargaining, tools and techniques, productivity and work methods as well as quality of work life, job evaluation and merit rating and use of these in productivity of human resources. Cost reduction and value analysis in the context of productivity. Learning curve concepts in the context of productivity.

Cost implications of multi-shift operations, plant shutdown, plant expansion, retraining of detectives, automation in productive system, utilities management, replacement of machinery and financial impact of technology up gradation and absorption.

Section II — Project Management (50 marks)

- (i) **Project identification and formulation** — different types of needs leading to different types of projects under BMRED (Balancing, Modernisation, Replacement, Expansion and Diversification) considerations involved in decision under each of these types. Macro parameters in project selection, different considerations for project under private, public and joint sectors. Project formulation - preparation of project profile, project report and detailed project report. Broad criteria for pre-investment decisions.

Project appraisal — different types of appraisal — Technical, economic, organisational and managerial, commercial and financial - financial techniques for project appraisal and feasibility, discounted cash flow and non-discounted cash flow methods, social cost benefit analysis and economic rate of return. Non-financial justification of projects.

Project financing — pattern of financing, sources of finance, impact of taxation, public loans, small savings surplus of public enterprises, deficit financing, foreign

aid. Public sector project financing. Role of tax planning in project financing.

- (ii) **Project cost systems** — project cost accounting and monitoring, appointment of contractor and its problems, labour and equipment costs, accounting, codification, development of cost data, labour time, reporting, direct measurement of work quantities, labour cost analysis, equipment accounting, activity-based cost accounting, production rates for estimates, control of cost, computer application to cost control.

- (iii) **Project administration** — progress payments, expenditure planning, project scheduling and network planning, use of Critical Path Method (CPM), schedule of payments and physical progress, time-cost trade off, cash flow preparing, cash forecast and monitoring of fund and other resources, control of groups of projects under one administration and associated problems in sharing resources.

Concepts and uses of Project Evaluation and Review Techniques (PERT), cost as a function of time, project evaluation and reviews techniques/cost mechanisms. Accountant's role in project evaluation and review techniques/cost budgeting. Determination of least cost duration. Post project evaluation.

Paper 14: Advanced Financial Management and International Finance (One Paper: 3 hours: 100 marks)

- (i) **Planning environment** — financial objectives, policies on financing, investments and dividends. Financial forecasting, planning and uncertainties, interest rates, inflation, capital gains and losses, exchange control regulation, government credit policies and incentives, statistics on production, price indices, labour, capital market based on published statistical data.
- (ii) **Sources of finance (national)** — Medium and long term; venture capital, seed capital, equity preference, convertible and cumulative preference shares, debentures, convertible debentures, hire purchase, leasing, public deposits and institutional finance Life Insurance Corporation, Unit Trust of India, Industrial Finance Corporation of India Limited, Industrial Credit and Investment Corporation of India Limited, National Industrial Development Corporation, Industrial Development Bank of India, Small Scale Industrial Development Bank of India (SIDBI), State Finance Corporation (SFC), Industrial Investment Bank of India Limited.

Internal sources, retained earnings, provisions etc. Issues in raising finance, legal form of organisation, provisions of the Companies Act, control of capital issues. Short term sources: Trade credit, factoring, Bill of exchange, Bank Loan, Cash credit, overdraft, public deposit. SEBI regulations, Primary and Secondary markets.

Sources of Finance (International) — raising funds in foreign markets and investments in foreign projects, exchange rate - risk agencies involved and procedures followed in international financial operations - concepts of balance of trade and balance of payment.

- (iii) **Analysis of operating and financial leverages** — concept and nature of leverages operating risk and financial risk, operating leverages, financial leverage and combined leverage - concepts, measures and their interpretations. Operating leverage and Cost volume

Profit analysis – Earning Before Interest and Tax (EBIT) and Earning Per Share (EPS). indifference point.

Capital structure theories and planning — concept of capital structure and its perimeters. financial structure and capital structure – simple and complex; theories of capital structure- net income approach, net operating income approach, traditional and Miller and Modigliani approaches and their criticism. Factors for capital structure planning; capital structure trend in private and public sectors in India.

Cost of capital — its nature and meaning, relevance of cost of capital in financial decisions, computation of specific cost, selection of weight, overall cost and marginal cost of capital, corporate tax and its impact on cost of capital.

- (iv) Capital budgeting and impact of time lag in analysis of capital utilisation and viability - pay back period, present value and internal rate of return including sensitivity analysis, limitations on capital budgeting. Determination of the Cost of capital - risk of uncertainty, risk and return in a ports contexts capital Asset pricing model (CAPM), inflation, leasing versus buying, income taxes, benefits of accelerated cost recovery system (higher rate of depreciation), investment credits.

Working capital management — operating cycle concept, forecasting, working capital requirement, strategies of financing current assets; working capital and term loans, official regulations; monitoring advance management of different components; working capital management under inflation, new projects working capital management.

Financial services — Money market, Capital market. Functions of bank-lending etc., Merchant banking, leasing, hire purchase, cash purchase and factoring.

- (v) **Advanced financial analysis and planning** — financial statements, financial ratio analysis, fund flow and cash flow analysis, leverages, Cost-Volume-Profit analysis, financial forecasting, inter firm comparison, financial analysis and aspects inflation

Dividend and retention policies — formulating dividend policy; factors for consideration, dividend theories - Walter's model, Gordon's model, residual theory of dividend, Miller and Modigliani hypothesis. Indian position in private and public sector in general.

Financial management in public sector — Management of accounts receivable and inventories in public sector units, source of fund of public sector units – cost of loans, cost of equity, cost of retained earning and debt equity ratio; evaluation and control of capital expenditure – determination of cash flows and cost-benefit analysis; pricing policy of public enterprises, project formulation and implementation, social cost benefit analysis.

Contemporary developments — WTO, GATT; Corporate Governance – UK's Cadbury, Greenbary and Hampel Committee recommendations, Anti dumping laws, TRIPS, TRIMS, Copyright and patent laws and current developments including SEBI regulations as amended from time to time.

- (vi) **International finance and risk management** — Minimisation of political risk, risk of fraud (i.e. fraud policy statements), effective recruitment policies and good internal controls especially over procurement and

cash: diversifying risk; management of interest rate risk including the use of interest rate swaps. Forward rate agreements and interest rate guarantees. Interpretation of interest options using simple graphs to show caps, floors and collars. Transaction, translation and economic risk. Interest rate parity, purchasing power parity and the Fisher effects. Foreign Direct Investment

Forward contracts and money market hedges. Currency features and options. Currency swaps and internal hedging techniques. Other current International Finance Issues.

Paper 15: Strategic Management and Marketing (One Paper: 3 hours: 100 marks)

- (i) **Planning environment economics** — forecast trend and changes – social, political, legal and technological impacts. Distribution channels and competitive forces. Government policies, economic growth and government expenditure. Public and private sector investments. International trade prices and government policies for capacity expansion, new industries, subsidiaries and substitutes, Government role in controlling inflation.
- (ii) **Strategies** — meaning and implications of corporate planning, long range planning, business policy planning, strategic planning and strategic management, processes of developing strategic plan – definition of mission, corporate objectives – (Profit gap, sales gap, risk gap) and other strategies, SWOT (Strength, Weakness, Opportunities & Threats) analysis, target selling strategy formulation and implementation, monitoring mechanism, strategies for stagnation versus growth, strategies for growth through expansion versus diversification. Acquisition and merger strategy, strategy of joint venture both in India and abroad. Marketing strategy as a part of corporate strategy, growth under inflation and protection of shareholder, real capital. Financial objectives, non-financial objectives, resources analysis and evaluation.
- (iii) **Model Building and models** — strategies in the development of models, Delphi Model, econometric, mathematical programming, budgetary and heuristic model Sensitivity analysis and the characteristics of this model. Limitations in model building vis-à-vis simulation techniques. Life cycles, Porters generic strategic, Ausojs model, BCG matrix and other models.
- (iv) **Basic concepts of marketing** — production orientation versus market orientation, marketing objectivities, framework and management of marketing mix. Linkage between strategic planning and marketing strategy - both forward and backward.
- Research and Intelligence** — sources for the techniques for acquiring information necessary for marketing decision-making market shares.
- (v) **Control or application of management accounting In marketing** — analysis of marketing costs and profitability, pricing policies and strategies, budgetary control in marketing, evaluation and control of sales activities.
- (vi) **Evaluation of sales promotion and advertisement** — Distribution cost analysis and control. Evaluation of marketing research and marketing planning. Contribution analysis and product-line profitability analysis, product rationalisation including product revamping, product range extension, product

elimination, new product introduction. Evaluation of research information - perfect, imperfect and Bayes' Theorem.

Paper 16: Strategic Tax Management (One Paper: 3 hours: 100 marks)

- (i) **Direct Tax planning** — tax planning v. tax evasion, tax management, tax implications in planning, the legal status of business unit, firm, private limited company and public limited company. Tax planning in respect of different heads of income. Tax implications in International Joint Venture
- Tax aspects of mergers and amalgamations.
- New Industrial establishment and tax planning.
- (ii) Tax considerations arising with regard to specific management decisions such as — (1) make or buy; (2) own or lease, (3) retain or replace; (4) repair of scrap or return; (5) export versus local sale; (6) shut down or continue; (7) expand or contract (8) merger and acquisition (9) new capital investment; tax exemptions; various deductions under chapter VI.
- (iii) Tax incentives and export promotions
- Tax aspects of investments
- Tax implications in developing capitalisation structure and
 - (a) short term loans; (b) deposits from public,
 - (c) term loans; (d) bonus issues;
 - (e) dividend policy.
- (iv) Wealth tax planning — individual, companies, etc and tax planning.
- (v) Indirect taxes planning — Different aspects of tax planning and tax management in relation to.
 - (a) Central Excise Act;
 - (b) Customs Act;
 - (c) Sales Tax Act.

STAGE IV

Paper 17: Management Accounting — Decision Making (One Paper: 3 hours: 100 marks)

- (i) **Basic concepts in decision making** --- relevant costs and benefits; Joint cost allocations and common costs; qualitative factors: sales mix, quantity, market size and market share variances Transfer pricing, negotiated prices, dual pricing, external pricing strategies — premium pricing, penetration pricing, market skimming, loss leaders, product differentiation, International transfer pricing — taxation, currency, remittance of funds. Profit maximisation, Pareto analysis, risk and uncertainty, decision trees, learning curve, alternative costing systems Applications of Operation Research techniques (linear programming, Transportation, simulation, PERT, CPM etc.) in decision-making.
- (ii) **Costing and accounting systems** --- activity based costing and activity based management; customer profitability analysis, direct product profitability; just-in-time and back flush accounting; theory of constraints and throughput accounting, behavioural aspects of alternative costing systems, target costing, life cycle costing, Parametric cost control.

(iii) **Investment appraisal** — capital budgeting process; investment appraisal techniques — pay back, discounted pay back, accounting rate of return, net present value, IRR, benefit-cost ratio.

Taxation, inflation, replacement, unequal lives, sensitivity analysis.

Divisional performance — return on investment; residual income. Post completion appraisal.

Paper 18: Management Accounting — Financial Strategy and Reporting (One Paper: 3 hours: 100 marks)

- (i) **Financial strategy formulation** — Modelling annual cash flow forecasts and other financial statements based on expected changes in values e.g. inflation, volume, margins and probabilities, expected values and sensitivity analysis. Hire purchase and leasing.
- (ii) **Measurement of income and capital** — The problems of profit measurement and the effect of alternative approaches to asset valuation. The principle of Substance over Form.
- The accounting treatment of goodwill, intangible and tangible assets.
- Inflation and its effect on financial statements.
- Impairment of fixed assets, brands and goodwill.
- Provisions and contingent liabilities and contingent assets.
- Foreign currency translation to include overseas transactions and investments in overseas subsidiaries.
- (iii) **Analysis of Financial Statements** — Advance topics on interpretation of financial statements via the analysis of corporate reports. Ratios in the areas of performance, profitability, financial adaptability, liquidity, activity and gearing of business, segmental analysis; inter firm comparison.
- (iv) **Advanced Investment appraisal** — Capital investment real options (i.e. option to make follow-on investment, the option to abandon and the option to wait). Weighted Average Cost of Capital and its use; adjusting the WACC for changes in capital structure. Single period capital rationing for divisible and non-divisible projects.
- (v) **Capital Asset Pricing Model (CAPM)** — Advanced aspects of arbitrage pricing theory; risk adjustment using the certainty equivalent method; investment controls in practice.
- (vi) **Financial analysis and reporting** — disclosures, productivity and profitability reporting, performance measurement/development reports. Current issues in financial analysis and reporting.

Paper 19: Cost Audit and Management Audit (One Paper: 3 hours: 100 marks)

Aim: To provide an in-depth study of the body of knowledge comprising of the techniques and methods of planning and executing a Cost and Management Audit assignment

Section I: Cost Audit (50 marks)

- (i) Provisions relating to maintenance of Cost Accounting record under the Companies Act; recording and audit compliance of cooperative societies Act, Customs & Excise Act, WTO, Antidumping processing, export-import policy & special provisions of sick industries Act (SICA) etc.
- (ii) **Nature, objects and scope of Cost Audit** — The concepts of efficiency audit, propriety audit, management audit, social audit.
- (iii) **Appointment of Cost Auditor** — Procedure for appointment, his rights, responsibilities, status, relationship and liabilities – professional and legal under the Companies Act, 1956 (1 of 1956), the Cost and Works Accountants Act, 1959 (23 of 1959)
- (iv) **Planning the audit** — Familiarisation with the industry, the organisation, the production process systems and procedures, list of records and reports, preparation of the audit programme.
- (v) **Verification of records and reports** — Utilisation of statistical sampling methods - verification of performance and statements maintained under the Cost Accounting (Records) Rules.
- (vi) **Evaluation of Internal Control Systems** — Budgetary Control, capacity utilisation, inventory control, management information system.
- (vii) Assessment of the adequacy of the internal audit function.
- (viii) **Audit notes and working papers** — audit reports to management.
- (ix) **The Cost Audit Reports** — contents of the Report, distinction between "Notes and Qualifications" to the Report. Cost Auditor's observations and conclusions.
- (x) Professional Ethics and Code of Conduct.
- (xi) Relationship between the Statutory Financial Auditors, the Internal Auditor and the Statutory Cost Auditor.
- (xii) Cost Accounting (Records) Rules under clause (d) of sub-section (1) of section 209 (Issued one year before the examination) and Cost Audit (Reports) Rules issued under section 233-B of the Companies Act, 1956 (1 of 1956). Critical study of the rules including the prescribed Annexure and Proforma applicable to the industries covered.
- (xiii) Review of Cost Audit Report by the Government: Objectives, methods, follow-up actions and disposal of Cost Audit Reports by the Government company and other end-users of the Cost Audit Reports.
- (xiv) Comparative Studies between cost audit and financial audit with special reference to disclosure of information to members, parliament and the general public.
- (xv) Penal provisions for Companies and Cost Auditors.
- (xvi) Disciplinary proceedings.

Section II — Management Audit leading to other Services (50 marks)

A. Management Audit

- (i) Meaning, nature and scope, organisational needs for Management Audit and its coverage over and above other audit procedures.

- (ii) Audit of the Management Processes and Functions, such as Planning, Organisation, Staffing, Co-ordination, Communication, Direction and Control.
- (iii) Evaluation of Management Information and Control Systems with special emphasis on Corporate Image and Behavioural Problems.
- (iv) Corporate service audit (Customer services); Product (Research and Development) and import substitution, customer's channels (export), CRM
- (v) Corporate Development and Management Audit, including operational and propriety aspects.
- (vi) Social Cost and Benefit of business enterprises with particular reference to developing countries.
- (vii) Audit of Social responsibility of management.
- (viii) Corporate governance and Audit Committees

B. Other Services

- (i) Other service sector to the Management, Certification for various purposes – the records to be verified and the safeguards to be taken – the form and content of the certificates.
- (ii) Cost audit as an aid to management, Government, shareholders, other external agencies and the public voluntary Cost Audit.
- (iii) Productivity Audit – labour, material and capital.
- (iv) Audit of Energy Conservation and Environmental Protection.
- (v) Efficiency audit – audit of sub-systems of an enterprise.
- (vi) Assessment and quantification of losses under marine, fire and accident insurance policies.
- (vii) Inventory Audits for Banks and other agencies.
- (viii) IRDA, Insurance Act, CARC.

Paper 20: Valuations Management and Case Study (One Paper: 3 hours: 100 marks)

Section I — Valuations Management (70 marks)

- (i) **Principles and Techniques of valuation** — asset valuation bases (e.g. historic, replacement, realisable); earnings valuation bases (P/E multiples, earnings yield). Cash flow valuation bases (i.e. DCF dividend yield, dividend growth model).
- (ii) Other valuation bases (e.g. earn out arrangements, super profits method). The strength and weaknesses of each valuation method and the suitability of each method.
- (iii) Application of the efficient market hypothesis to business valuation.

The impact of changing capital structure on the market value of a company

The different forms and methods of valuation of intellectual capital. The reasons for acquisitions (e.g. synergistic benefits, removing competitions)

The priorities of different stakeholders in terms of business valuation.

- (iv) Valuating bases for takeovers, mergers, amalgamation,

- (v) Valuation of shares, debentures, inventory, brand and other tangible and intangible assets as well as different liabilities.

Section II — Case Study (30 marks)

- (i) To apply strategic management accounting techniques to make and support decisions within a simulated business contact.
- (ii) The case study will be based on other final level papers and will draw upon material already covered in the previous levels.
- (iii) The case study will require the student to deal with material in less structured situations to integrate a variety of tools in arriving at a recommended solution. It is obvious that cannot be a single right answer.

The process /that students undertaken in arriving at potential solutions are viewed as being more important than the recommendations.

The stages to case study —

"(3) Any candidate who has passed or obtained exemption from any of the following papers of Final Examination under the syllabus before the commencement of the Cost and Works Accountants (Amendment)Regulations,2002 shall be exempted from the corresponding papers of Final examination under the Syllabus after the commencement of the Cost and Works Accountants (Amendment)Regulations,2002 as indicated below:

Papers of Final Examination under syllabus before the commencement of the Cost and Works Accountants (Amendment)Regulations,2002				Corresponding equivalent papers of Final Examination under the Syllabus after the commencement of the Cost and Works Accountants (Amendment)Regulations,2002		
S L	STAG E	PAPER	SUBJECT	STAGE	PAPER	SUBJECT
1	III	All		III	All	
2	IV	All		IV	All	
3	III	9	Advanced Financial Accounting	IV	18	Management Accounting – Financial Strategy and Reporting
4	IV	13	Advanced Management Accounting – Techniques & Applications	IV	17	Management Accounting Decision Making
5	IV	14	Advanced Financial Management	IV	14	Advanced Financial Management and Internal Finance
6	IV	15	Advanced Management Accounting – Strategic Management	III	15	Strategic Management and Marketing
7	IV	16	Cost Audit	IV	19	Cost Audit & Management Audit";

V.V. DEODHAR, President
[Advt. III/IV/71/2002/Exty.]

Note : Principal regulations were published in the Gazette of India vide number GSR 611 dated 25th May,1959 and amended vide-

1. Notification number CWR(2)/69 dated 8th May, 1969
2. Notification number CWR(2)/70 dated 25th May, 1970
3. Notification number CWR (2)/70 dated 22nd January,1972
4. Notification number CWR(1)/81 dated 6th January,1981
5. Notification number CWR(1)/88 dated 31st January,1989
6. Notification number CWR(1)/93 dated 25th September,1993